शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

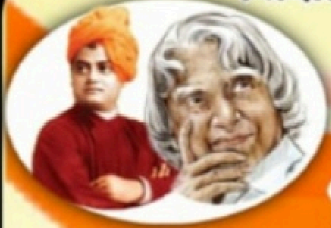

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक-

दिन-

काव्यांजलि दैनिक सृजन

1101 से 1200 तक

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1101

दिनाँक- 30/11/2020

दिन- सोमवार

मौसम

सर्दी आये बर्फ पड़े,
ओले गिरतें बड़े-बड़े।
तेज-तेज हवाएँ चले,
बर्फ पिघले और गले।।

गर्मी पड़े कड़ाके की,
नौबत आये पंखे की।
आँधी आए ताबड़-तोड़,
पेड़-पौधों को तोड़-मरोड़।।

पानी बरसे गरजे बादर,
तालाब बन जाये सागर।
आँगन बन जाये तालाब,
चलने लगे सड़क पर नाव।।

हम खेलेंगे-कूदेंगे,
मस्ती खूब करेंगे।
सर्दी, गर्मी या पानी पड़े,
हम किसी से नही डरेंगे।।

रचना

दिव्यालक्ष्मी तिवारी
(पूर्व छात्रा)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-30.11.2020

1102

दिन- सोमवार

आयी दीवाली रे

आज दीवाली आयी रे,
दीप जलाओ, दीप जलाओ।
खुशी-खुशी सब मिलकर,
नाचो गाओ खुशी मनाओ।।

नए-नए कपड़े पहनूँ,
खूब मिठाई खाऊँ।
हाथ जोड़ पूजा कर लूँ,
माँ से बुद्धि, ज्ञान माँग लूँ।।

खूब जले फुलझड़ी पटाखे,
खूब मिठाई बाँटें।
खुशियों की सौगात आयी,
मिलकर रहो सब भाई-भाई।।

रचना-

कु० समीक्षा (छात्रा)
कक्षा- 8
रा० उ० प्रा० वि० सिदोली
कर्णप्रयाग (चमोली)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 30/11/2020 1103 दिन- सोमवार

बेटी

कौन कहता है बेटियों के पंख नहीं होते,
उड़ने तो दो, आसमान कम पड़ जायगा।
कौन कहता है बेटियाँ पराई होती हैं,
अपनाओ तो ये धरती उसका घर बन जाएगा।।

कौन कहता है बेटियाँ कमजोर होती हैं,
परखोगे तो रानी लक्ष्मीबाई हैं।
दुर्गा भी तो बेटी है हमारी,
जो सदैव असुरों का संहार करती है।।

कौन कहता है बेटियाँ लाचार होती हैं,
आपने सदैव कमजोर भाव से आँका है।
सागर या हिमालय तो दूर,
इन्हें आकाश को चीरते हुए देखा है।।

कौन कहता है बेटियाँ निर्बल हैं, दुर्बल हैं,
इनमें नहीं हैं स्वयं जीने का सामर्थ्य।
आज घर में बेटियाँ हैं तो खुशियाँ हैं,
परिवार को सिखाया है अपनों का अर्थ।।

बेटियाँ कभी भी पीछे नहीं,
अवसर देकर तो देखो।
पिंजरे का द्वार खोल दो आज,
उसे बन्धन मुक्त करके तो देखो।।

रचना- रीता रॉय (स०अ०)
रा० प्रा० वि० शिवनगर
रुद्रपुर, ऊधमसिंह नगर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

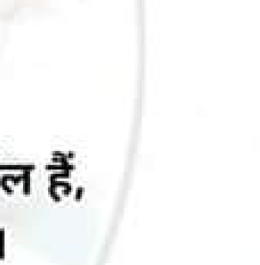

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1104

दिनाँक- 01/12/2020

दिन-मंगलवार

विषय-राही
विधा-चोका

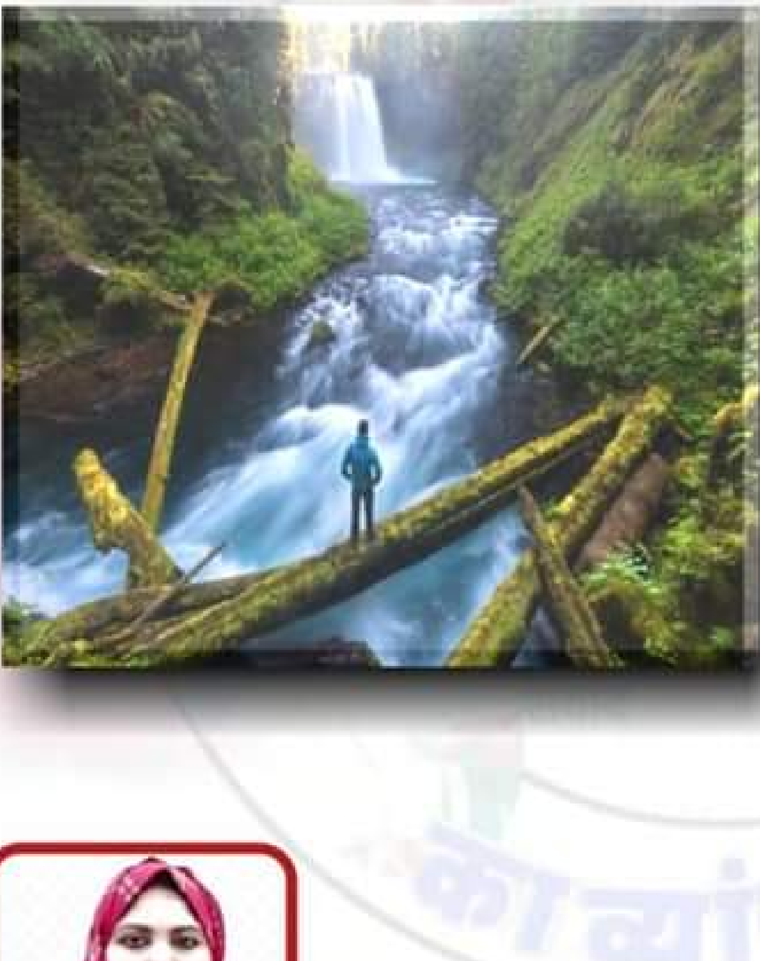

यह जीवन
लगता है सफर
जुदा डगर
यहाँ हर बशर
है रहबर
दिखाते सदा दिशा
पैरों के निशां
मंज़िल मनचाही
चाहते राही
पर्वत है चढ़ना
आगे बढ़ना
भँवर या तूफान
न हो थकान
नदी हो या हो ताल
रुके न चाल
चाहे जो भी हो हाल
बन जा तू मिसाल

रचना-
फ़राह हारून (प्र०अ०)
प्रा० वि० मढ़िया भांसी
सालारपुर, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1105

दिनाँक- 01/12/2020

दिन- मंगलवार

गिलहरी

छोटी एक गिलहरी देखी,
फुदक रही थी डाल पर।
काली तीन बनी रेखायें,
पीठ के सुन्दर बाल पर।।

हाथ लिए अमरूद कुतरती,
उछल-कूद पेड़ों पर करती।
कभी न थकती कहीं न रुकती,
नन्हें पैरों चलती रहती।।

मेहनत से है भोजन लाती,
सदा स्वयं का काम निपटाती।
हम सब भी मेहनत अपनाएँ,
सदा ये अच्छी सीख बताती।।

डाली-डाली और भूमि पर,
फुदक-फुदककर खूब लुभाती।
अपने हाथों में लेकर रोटी,
नन्हें दाँतों से खूब चबाती।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा,
बिसवां, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 1.12.2020

1106

दिन- मंगलवार

गाँधी जी

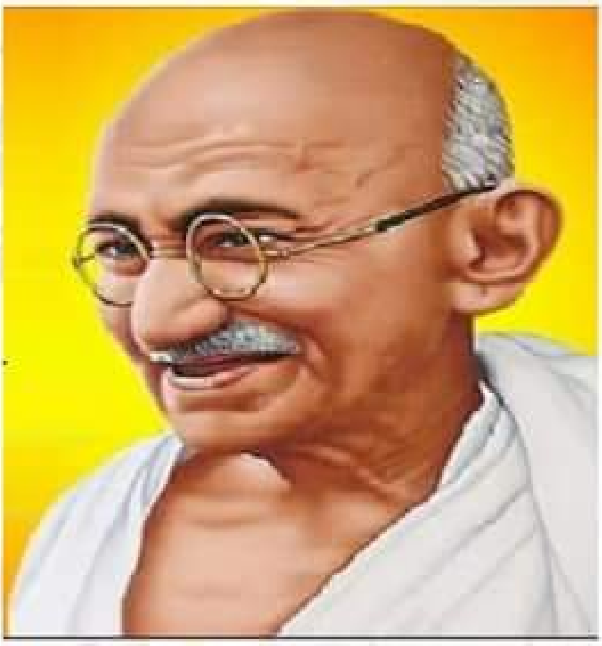

गाँधी जी सबसे न्यारे थे,
गाँधी जी सबके प्यारे थे।
कहलाते वो राष्ट्र पिता थे,
पर वो बापू हमारे थे।।

भगा दिया अंग्रेजों को,
बिना किसी हथियार के।
दिलवा दी आजादी हमको,
अहिंसा के हथियार से।।

स्वदेशी वस्त्र पहनना सिखाया,
सूत कातने चरखा चलाया।
ऐसे बापू को सदैव नमन हमारा,
रहेगा याद हमें बलिदान तुम्हारा।।

रचना- कु० आरती (छात्रा)
कक्षा- 8
संवि० पूर्व मा० वि०- तेहरा
ब्लॉक व जनपद- मथुरा

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 01/12/2020

1107

दिन- मंगलवार

मन करता है

अब तक लिखती रही वही सब,
जो कुछ मन करता है।
मन के बारे में लिखने को,
अब कुछ मन करता है।।

मन ही पथ है, मन ही रथ है,
मन ही रथ की गति है।
जिसका रहता है मन वश में,
उसको मिलती सद् मति है।।

मन मथुरा-काबा है,
मन में मूरत छिपी हुई है।
जिसे ढूँढ़ते बाहर हो,
उसकी सूरत छिपी हुई है।।

मन को सजाओ, स्वस्थ बनाओ,
योग-प्राणायाम से इसे सजाओ।
मन की सज्जा ही काम आएगी,
मन को सत्ज्ञान में लगाओ।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना-
प्रतिमा भारद्वाज
पू० मा० वि० वीरपुर
छबीलगढ़ी ,जवां, अलीगढ़

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1108

दिनाँक- 1/12/2020

दिन- मंगलवार

एक सोच

सोच से ही,
विचार बनता है।
विचार से ही,
आचार बनता है।।

आचार से ही,
संस्कार बनता है।
संस्कार से ही,
संसार चलता है।।

आओ हम सब मिलकर,
सुन्दर सोच बनाएँ।
सुन्दर सोच से सजकर,
सदाचार को व्यवहार में लाएँ।।

अच्छे व्यवहार से,
अच्छे संस्कार बनाएँ,
अच्छे संस्कार से,
सुन्दर संसार बनाएँ।।

रचना

सुमन मौर्या (स०अ०)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-01/12/2020

1109

दिन-मंगलवार

वैज्ञानिक वसु

जगदीश चन्द्र वसु ने भारत का नाम किया,
विज्ञान प्रगति में योगदान दिया।
वनस्पति विज्ञान को वरदान दिया,
क्रेस्कोग्राफ का अविष्कार किया।।

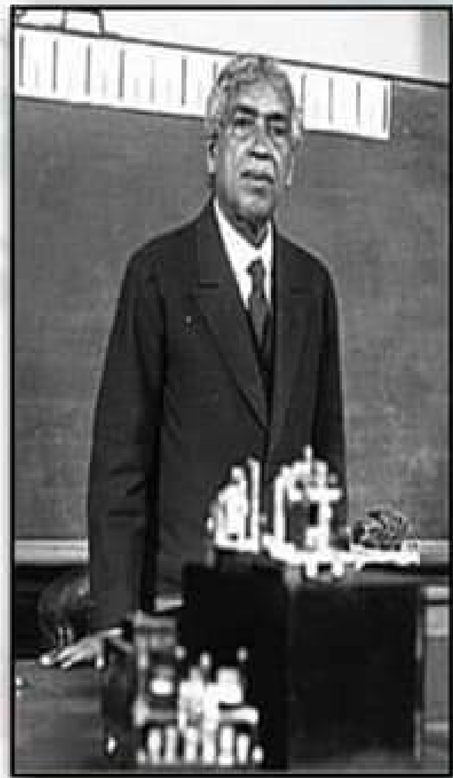

पौधे की वृद्धि नापने का काम किया,
संदेश भेजने में अर्द्ध चालकों का प्रयोग किया।
रेडियो तरंगों पर कार्य किया,
प्रकाश तरंगों का अध्ययन किया।।

वसु का घर आचार्य भवन बन गया,
वसु ने विज्ञान मन्दिर बना दिया।
1917 में नाइट उपाधि पायी,
वनस्पति विज्ञान की खोजें दिखायी।।

भारत के भौतिक अध्यापक थे,
पहले वैज्ञानिक शोधकर्ता थे।
अमेरिकन पेटेंट प्राप्त किया,
भारत का विश्व में नाम किया।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना-
शशी (छात्रा)
कक्षा- 7
उ० प्रा० वि० सोही
वजीरगंज, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 01/12/2020

1110

दिन- मंगलवार

जगदीश चन्द्र वसु को नमन

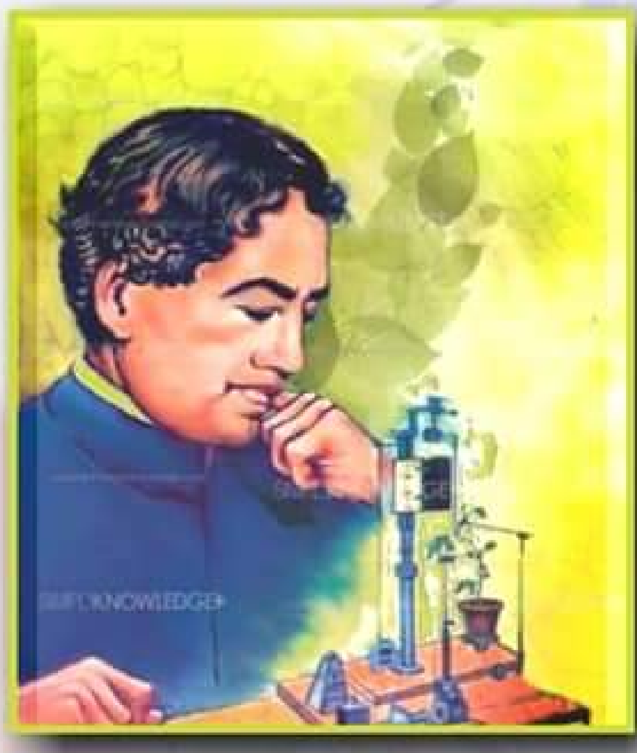

भारत के पहले वैज्ञानिक,
विज्ञान में दी बहुत सी तकनीक।
जन्म हुआ बंगाल में,
शिक्षा ली लंदन विश्वविद्यालय से।।

भौतिक के अध्यापक थे,
बिना तार के संदेश भेजते थे।
क्रेस्कोग्राफ यंत्र बना दिया,
पौधे की वृद्धि को माप दिया।।

पौधे संवेदनशील होते है,
दर्द महसूस करते है।
वसु का घर संग्रहालय बना दिया,
आचार्य भवन का नाम दिया।।

वनस्पति विज्ञान का ज्ञान दिया,
रेडियो, सूक्ष्म तरंगों पर कार्य किया।
भारत के इस लाल ने,
विश्व में देश का नाम किया।।

रचना- कृष्ण पाल (छात्र)
कक्षा-7
उ० प्रा० वि० सोही
बजीरगंज, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 01.12.2020

1111

दिन- मंगलवार

माँ

माँ और माँ का प्यार निराला है,
उसने ही मुझे सम्भाला है।
मैं मम्मी के बिना नहीं,
और मम्मी मेरे बिना नहीं है।।

सुबह सबेरे मुझे उठाती,
कृष्णा कहकर मुझे बुलाती।
जल्दी से मैं तैयार होती,
उसके कारण स्कूल जा पाती।।

पौष्टिक आहार मुझे खिलाती,
गृहकार्य भी पूरा करवाती।
माँ और माँ का प्यार निराला,
अच्छे संस्कार हममें भरवाती।।

जब हम कोई गलती करते
माँ समझाने की कोशिश करती।
लुटाती मुझपर अधिक प्यार,
बहुत दुलार माँ है करती।।

रचना -

कु. दीपिका, कक्षा -7
रा पू मा वि-डोईवाला
डोईवाला, देहरादून

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1112

दिनाँक- 01.12.2020

दिन- मंगलवार

गुरु नानक जयन्ती

माता तृप्ता, पिता मेहता कालू थे जिनके,
कार्तिक पूर्णिमा को जन्मे नानक घर उनके।
अल्पायु में भगवान भजन करने लगे,
सांसारिक माया से विरत रहने लगे।।

माता-पिता को अब चिंता सताने लगी,
साधु न हो जाए बालक डराने लगी।
सुलक्षणा कन्या से विवाह भी कराया,
किन्तु गृहस्थ उन्हें बाँध न पाया।।

ईश्वर भक्ति में रचे सैकड़ों पद तब,
गुरु-ग्रन्थ साहिब में समाए हैं वे सब।
दीन-दुखियों की सेवा में जीवन बिताया,
मानवता को सबसे बड़ा धर्म बताया।।

सामूहिक बैठने की प्रथा संगत बनायी,
साथ-साथ खाने की प्रथा पंगत कहायी।
उपदेश उनके सबके मन को थे भाये,
सिक्ख-धर्म प्रवर्तक प्रथम गुरु कहाए।।

रचना-
मनोज घिल्ड़ियाल (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि०-कलीगाड
रिखणीखाल, पौड़ी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1113

दिनाँक- 02/12/2020

दिन- बुधवार

रेलगाड़ी

रेलगाड़ी बड़ी सयानी,
करती न अपनी मनमानी।
छुक-छुक, छुक-छुक करती जाती,
लौह पटरी पर दौड़ लगाती।।

बैठे डिब्बों में खुश होकर,
बच्चे-बूढ़े सब मिलजुल कर।
शहर-शहर की सैर कराती,
सबको अपने घर पहुँचाती।।

आगे इंजन है सरदार,
पीछे डिब्बों की कतार।
हरी, लाल झण्डी पहचानें,
सिग्नल की हर बात को मानें।।

स्टेशन ही इसका घर,
रुकती केवल स्टेशन पर।
गाँव-गाँव और जंगल-जंगल,
बिना डरे ही चलती हर पल।।

रचना
रश्मि शर्मा(स०अ०)
प्रा०वि०विशुन नगर
खैराबाद,सीतापुर।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1114

दिनाँक- 02/12/2020

दिन- बुधवार

ये बोल ही हैं

ये बोल ही हैं जो मन को मोहते,
ये बोल ही हैं जो ख़लिश को धोते।
ये बोल ही हैं जो दिल बहलाते,
ये बोल ही हैं जो प्यार बढ़ाते।।

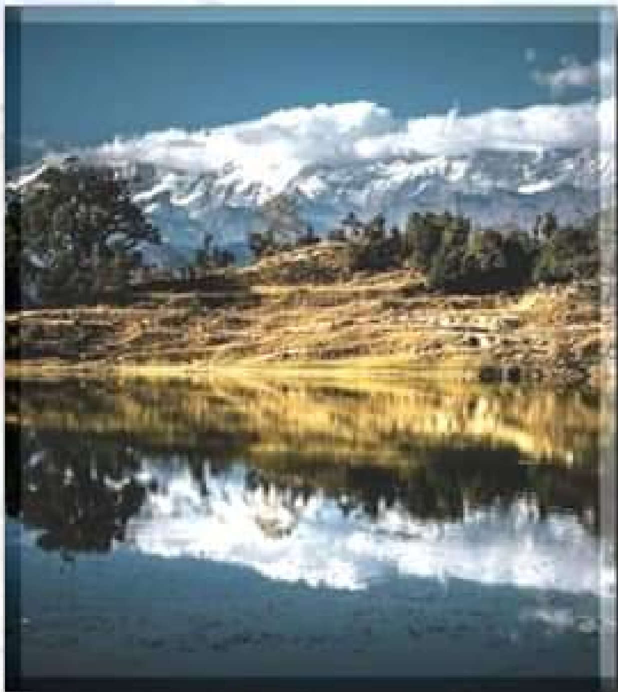

ये बोल ही हैं जो दिल अब टूटा,
ये बोल ही हैं जो जग भी छूटा।
ये बोल ही हैं जो बनते ज़ालिम,
ये बोल ही हैं जो लगते आलिम।।

ये बोल ही हैं जो कभी हैं मरहम,
ये बोल ही हैं बन जाते हमदम।
ये बोल ही हैं जो देते पहचान,
ये बोल ही तो जगाते अरमान।।

ये बोल ही हैं मुक़ाम दिलाते,
ये बोल ही जग ग़ुलाम बनाते।
ये बोल ही तो पहनाते ताज,
ये बोल सदा ढाते हैं ताज।।

रचना-
फ़राह हारून (प्र०अ०)
प्रा० वि० मढ़िया भांसी
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1115

दिनाँक- 2-12-2020

दिन- बुधवार

बढ़ते चलो

प्यारे बच्चों, प्यारे बच्चों,
हार ना मानना जीवन में।
आगे-आगे बढ़ना है,
कुछ करते हमेशा रहना है।।

न्यारे बच्चों, न्यारे बच्चो,
डरना कभी ना जीवन में।
निडर हमेशा रहना है,
सिर उठाकर हमेशा जीना है।।

प्यारे बच्चों, प्यारे बच्चों,
बुराई को दूर भगाना है।
बस सही का साथ देना तुम,
और आगे बढ़ते रहना तुम।।

न्यारे बच्चों, न्यारे बच्चों,
झूठ ना कभी अपनाओ तुम।
सदा सत्य बोलकर के,
हमेशा चमकते रहना तुम।।

रचना-
कल्पना कुमारी (स०अ०)
क० मॉ० प्रा० वि.हाजीपुर फतेह खान
धनीपुर, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1116

दिनाँक- 2.12.2020

दिन- बुधवार

पेड़ लगाओ

पेड़ लगाओ, पेड़ लगाओ,
सब मिलकर पेड़ लगाओ।
बादल कहता महान हूँ मैं,
देता हूँ मैं सबको जल।।

जब-जब करता हूँ मैं बारिश,
तुम सबको दो ता हूँ फल।
सब कहते हैं, पेड़ लगाओ,
पेड़ लगाओ सँवारो कल।।

पेड़ कहता है बादल को,
समझो ना तुम हमको अनाड़ी।
देते हो अगर तुम सबको जल,
हम भी देते सब्जी और फल।।

पर्यावरण को रखते संतुलित।
बिन हमारे ना बरसात आए,
यह सब हम को महान बनाएँ।
इसीलिए हम पेड़ लगाएँ।।

रचना- रिछपाल (छात्र)
कक्षा- 8
रा० उ० प्रा० वि० नूरपुर
काशीपुर, ऊधमसिंह नगर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1117

दिनाँक- 02.12.2020

दिन- बुधवार

माँ

माँ! इस जीवन में,
सब कुछ मुझे तुझसे मिला।
आकार मिला, साँसें मिली,
और यह जीवन मिला।।

हर पीड़ा को सहकर माँ,
तूने यह संसार मुझे दिलाया।
सीने से लगाकर माँ,
तूने ही अमृत सा दूध पिलाया।।

तेरी ममतामयी स्पर्श ने,
मुझे अपार स्नेह दिया।
तेरे ही नरम हाथों ने,
कदमों से मुझे चलना सिखाया।।

स्वयं आँसू पीकर माँ,
तूने मुझ पर सदा प्रेम बरसाया।
माँ की प्रेम की छाँव में,
मैंने अपना बचपन बिताया।।

रचना-
डॉ०विनीता खाती (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० गाड़ी
ताड़ीखेत, अल्मोड़ा

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1118

दिनाँक- 03/12/2020

दिन- गुरुवार

अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस

हर वर्ष माह दिसम्बर में,
आता यह महत्वपूर्ण दिवस।
3 दिसम्बर मनाया जाता,
अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस।।

नहीं है इनमें कोई कमी,
नहीं है उनमें कोई अभाव।
उनका भी सम्मान करो,
ना रखो कोई दुराभाव।।

वर्ष 1981 से हुई,
इसकी विधिवत शुरुआत।
विकलांगों के प्रति सोच को बदलो,
सब ने उठाई यही बात।।

इनकी पीड़ा को समझो,
ना कहो इनको विकलांग।
मोदी जी ने इनको समझा,
नाम दिया इनको दिव्यांग।।

रचना:-
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 03/12/2020

1119

दिन- गुरूवार

जानवरों का कोरोना संदेश

जंगल में जब आया कोरोना,
सभी जानवर बोलें इससे डरो न।
पहले हाथी बोला दो गज की दूरी,
फिर बोला बन्दर मास्क है जरुरी।।

COVID-19
CORONAVIRUS

भालू बोला सोशल डिस्टेशिंग का पालन करना,
फिर बोला कंगारु हैण्ड सेनेटाइजर लगाना।
गोरिल्ला बोला हाथ नहीं मिलाना,
फिर बोला हिरण दूर से नमस्ते करना।।

शेर बोला कोई भीड़ नही लगाना,
शेरनी बोली दूर-दूर ही रहना।
जिराफ बोला स्वच्छ भोजन खाना,
हम सभी को है स्वस्थ रहना।।

जब बाहर से घर में आना है,
साबुन से तब नहाना है।
सभी बातों का पालन करना है,
कोरोना को हमें हराना हैं।।

रचना- कृष्ण पाल (छात्र)
कक्षा-7
उ० प्रा० वि० सोही
बजीरगंज, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 03/2/2020

1120

दिन- गुरुवार

खेल

खेलो, खेल खूब भरो उड़ान,
स्वस्थ जीवन की है पहचान।
तरह-तरह के खेल महान,
विजेता बन पाओ सम्मान।।

गाँव स्तर पर जो हैं खेल ,
वह हैं स्थानीय सब खेल।
रस्सी-कूद, कबड्डी, खो-खो,
सब बचपन के सुन्दर खेल।।

हॉकी अपना राष्ट्रीय खेल,
सबसे रखता है सुन्दर मेल।
मेहनत से जो खेले-खेल,
कभी नहीं होता वह फेल।।

बेटों से न बेटी है कम,
खेलें वह भी भर करके दम।
पी० वी० सिन्धु, मिताली राज,
सब करते हैं उन पर नाज।।

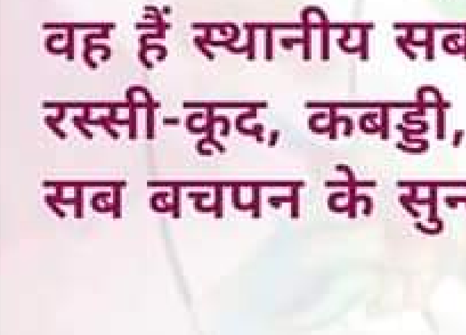

रचना

सुरेश कुमार (प्र०अ०)
प्रा० वि० बाँसुरा (प्रथम)
वि० क्षेत्र- रामपुर मथुरा,
जनपद- सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1121

दिनाँक- 03/12/2020

दिन- गुरुवार

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस

धीरे- धीरे ही सही पर, चलना ज़रूरी है,
नहीं जान क़दमों में तो क्या ग़म है।
गिनती नहीं अपनों में तो क्या ग़म है,
हौसलों के साथ आगे बढ़ना ज़रूरी है।।

कहीं हाथ नहीं है, कहीं पाँव नहीं है,
कहीं रौशनी नहीं है, कहीं ज़ुबाँ नहीं है।
फिर भी बढ़ चले क़दम मंज़िल की जानिब,
इन जाँबाजों से भी सीखना ज़रूरी है।।

साज़ भी है, आवाज़ भी है,
अपनी भाषा, अपने जज़्बात भी है।
मिलाओ तो ज़रा कभी दिल उनसे,
मिलकर दिल से समझना भी ज़रूरी है।।

नहीं अब अकेले मिले हैं हाथ से हाथ,
नहीं डगमगाए क़दम, चलें साथ-साथ।
नए जोश, नए उमंग से भरा अंतस्तल,
अब अपने आसमाँ को पाना ज़रूरी है।।

रचना:
रूखसाना बानो(स०अ०)
कम्पोज़िट विद्यालय अहरौरा
जमालापुर, मिर्ज़ापुर

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1122

दिनाँक- 03/12/2020
दिन- गुरुवार

बारिश आयी

बारिश आयी, बारिश आयी,
बड़ी जोर की बारिश आयी।
सानू, चिंकी, पप्पू, सोनी ,
सबने घर को दौड़ लगायी।।

चुन्नू दौड़ा, गिरा धड़ाम,
याद उसे है नानी आयी।।
पिंकी छाता लेकर निकली,
मम्मी ने आवाज लगायी।।

चिड़िया पानी देख घबरायी,
बंदर ने फिर छलाँग लगायी।
बारिश ने क्या धूम मचायी,
बारिश आयी बारिश आयी।।

हरे-भरे सब पेड़ दिखे हैं,
चारों ओर हरियाली छायी।
गरम-गरम पकौड़ी की खुशब,
चाय अदरक वाली आयी।।

रचना- डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण- उन्नाव

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1123

दिनाँक- 3/12/2020

दिन- गुरुवार

आम

पीले-पीले आम हैं,
हरे-हरे आम हैं।
मीठे-मीठे लगते हैं,
खट्टे-खट्टे लगते हैं।।

पक-पक जब वह जाते हैं,
पेड़ से तब वह गिर जाते हैं।
रस से भरे हुए आम,
जब हम खाते आम।।

मुँह में पानी आ जाता है,
सबके मन को भाता है।
सबके मन को ललचाता है,
हर कोई इसको खाता है।।

आम अच्छा लगता है,
प्यारा-न्यारा लगता है।
सभी फलों का राजा आम,
सबसे प्यारा लगता आम।।

रचना

मांसी पाण्डेय(छात्रा)
कक्षा - 4
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 03/12/2020 **1124** दिन- गुरुवार

विश्व एड्स दिवस

बच्चों सबसे पहले जानो,
एड्स बीमारी लाइलाज है।
मानव जगत में इसका,
कोई अभी नहीं इलाज है।।

संक्रमित सुई, संक्रमित खून ,
मानव की है पहली भूल।
जाँच परख कर रोगी को,
कभी न करना इनका प्रयोग।।

संयमता और जागरूकता,
ही इसका अचूक इलाज है।
लक्षण उपचार बचाव से,
सबको करना जागरूक है।।

संक्रमित रोगी से डरना नहीं ,
भेद-भाव कतई करना नहीं।
अपने रिश्ते के प्रति ईमानदारी,
घातक बीमारी से बचना घबराना नहीं।।

रचना

रचना- सन्नू नेगी (स०अ०)
रा० क० उ० प्रा० वि० सिदोली
कर्णप्रयाग, चमोली

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 03-12-2020 **1125** दिन- गुरुवार

मैं भी पढ़ने जाऊँगी

दाखिला अम्मा मेरा करा दे,
मैं भी पढ़ने जाऊँगी।
पढ़ ए, बी, सी, डी, अ, आ, इ, ई,
पढ़ी-लिखी कहलाऊँगी।।
देख किताबें रंग-बिरंगी,
मन मेरा ललचाता है।
पढ़ नहीं पाती हूँ जब अक्षर,
रोना मुझको आता है।।
नाम करूँगी तेरा रोशन,
आगे बढ़ती जाऊँगी।
खर्चा तेरा कुछ नहीं होगा,
मेहनत कर पढ़ आऊँगी।।
खाना, कपड़ा और किताबें,
वहाँ सभी मिल जाते हैं।
दीपक, बबली, बन्टी, गुड्डू,
आकर मुझे बताते हैं।।

रचना
डा० मीरा भारद्वाज (स०अ०)
रा० प्रा० वि० सलेमपुर-1
बहादराबाद, हरिद्वार

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1126

दिनाँक- 04/12/2020

दिन- शुक्रवार

नन्हे चूहे, लम्बी पूछें

एक बिल में पाँच चूहे,
उनमें से तीन अलग चूहे।
तीनों चूहों की लम्बी पूछें,
सब देखकर हँसते पूछें।।

पूछों के मारे खेल नहीं पाते,
यह फिर आपस में घुर्राते।
फिर चूहे बिल में जब जाएँ,
पूछ में फँसकर के गिर जाते।।

फिर चूहे आपस में बतलाते,
सब मिलकर के योजना बनाते।
फिर चूहे सुनार के पास जाते,
सुनार से वो पूँछ कटवाते।।

जब वे लौटकर बिल में जाते,
धमा-चौकडी खूब मचाते।
सबके घर में ढोल बजाते,
कुतर-कुतर कर कागज लाते।।

रचना- कु० सरस्वती (छात्रा)
कक्षा- 5
प्रा० वि० बनगवां
सालारपुर, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1127

दिनाँक- 04/12/2020

दिन- शुक्रवार

समय बड़ा बलवान

समय होता है बड़ा ही बलवान,
जो चला समय पर, बना महान।
इसकी अँगुली पकड़े ही जाओ,
हर जगह तुम सम्मान ही पाओ।।

हीरो, डॉक्टर, इंजीनियर चाहे खिलाड़ी,
जो रहा इसके साथ, न रहा अनाड़ी।
तो बच्चों तुम भी पकड़ो ये लगाम,
जीत लो फिर तुम ये सारा जहान।।

चाहे राहों में कितनी हों मुश्किल,
ठानो अगर, तो पा जाओ मंजिल।
आज भी तुम्हारा, कल भी तुम्हारा,
छू लो एक दिन ये आसमान सारा।।

न मानो कभी भी बच्चों तुम हार,
बस मेहनत से करो रास्ता तैयार।
जीतो बाजी, बन जाओ बादशाह,
सफलता की होती यही एक राह।।

रचना

भुवन प्रकाश (इं०प्र०अ०)
प्रा०वि० पिपरी नवीन
मिश्रिख, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 04/12/2020 1128 दिन- शुक्रवार

स्कूल

स्कूल चलें हम, स्कूल चलें हम।।
पढ़ लिख कर जीवन की शुरुआत करें हम।।

स्कूल की दुनिया होती अलग निराली है।
हमको जीने की नई राह सिखलाती है।।
इस राह पर चलने की शुरुआत करें हम।।
स्कूल चलें हम।

अनुशासन, प्रेम, भाईचारा, स्कूल ही सिखलाता है।
गलत राहपर ना बढें हम, स्कूल ही बतलाता है।।
जीवन के इस पथ की राह समझलें हम।।
स्कूल चलें हम।।

विषयों का अर्थपूर्ण ज्ञान, स्कूल से ही मिलता है।
कठिनाई में जीना है कैसे, स्कूल ही बतलाता है।।
ज्ञान की गहराइयों को समझलें हम।।
स्कूल चलें हम।।

बीना रानी (स०अ०)
पू० मा० वि० पुल नानऊ
अकराबाद, अलीगढ़

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1129
दिनाँक- 04.12.2020
दिन- शुक्रवार

चमकता तारा

मैं हूँ टिम-टिम करता तारा,
आसमान का राजदुलारा।
किसने मुझको दूध पिलाया,
हाथ पकड़ चलना सिखलाया।।

चन्दा मामा आते-जाते,
सूरज दादा उग-छिप जाते।
कितना सुन्दर कितना प्यारा,
चमकीला नन्हा सा तारा।।

चमके गगन में लगे सितारा,
मेरी आँखों का है प्यारा।
दूर गगन में भी तू चमके,
सो जा तू सबसे है न्यारा।।

टिम-टिम करता तारा।
देखो! लगता प्यारा।।

कु० मालती (छात्रा)
कक्षा- 8
संवि० पूर्व मा० वि०- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-04.12.2020 **1130** दिन- शुक्रवार

जब हम बड़े होंगे

एक दिन हम जुदा हो जाएँगे,
ना जाने कहाँ-कहाँ जाएँगे।
अपने कामों में व्यस्त रहेंगे,
जब हम बड़े हो जाएँगे।।

थक हार के दिन के कामों से,
जब रात को सोने जाओगे।
देखोगे अपने फोन पर,
मधुर-मधुर पैगाम पाओगे।।

बचपन की मधुर यादें,
बच्चे बन याद करेंगे।
स्कूल के इन दिनों और,
लॉक डाउन की बातें करेंगे।।

रचना-

कु० अदिति देवली
कक्षा- 7
रा०क०उ०प्रा०वि०सिदोली
चमोली

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1131

दिनाँक- 4.12.2020

दिन- शुक्रवार

अनमोल वचन

बोल सको तो मीठा बोलो,
कटु बोलना मत सीखो।
बता सको तो राह बताओ,
पथ भटकाना मत सीखो।।

जला सको तो दीप जलाओ,
दिल जलाना मत सीखो।
कमा सको तो पुण्य कमाओ,
पाप कमाना मत सीखो।।

पोंछ सको तो आँसू पोंछो,
दिल दुखाना मत सीखो।
हँसा सको तो सबको हँसाओ,
किसी पर हँसना मत सीखो।।

सत्य मार्ग पर चलना सीखो,
नहीं किसी को छलना सीखो।
प्यार का अमृत पीना सीखो,
संघर्षों से हंसना सीखो।।

रचना-
सावित्री जोशी (स०अ०)
रा०प्रा० वि० पल्लीगाड
कीर्तिनगर,टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1132

दिनाँक- 05.12.2020

दिन- शनिवार

कृषि में मृदा और जल

मिट्टी को हम मृदा भी कहते,
कणों का आकार गोल होता।
गुरुत्वाकर्षण बल के विरुद्ध,
मिट्टी में कोशिका जल होता।।

खेतों में जुताई के बाद पाटा लगाकर,
मृदा जल-संरक्षण हम करते।
मिट्टी में बीज को नमी मिले,
तभी अंकुरित होकर बीज उपजते।।

प्रकृति में जल, जल-वाष्प, वर्षा,
बादल, हिमपात के रुप में होता।
ओला, जल की ठोस अवस्था,
बर्फ के रुप में आकाश से गिरता।।

जल के बिना सम्भव नहीं है।
पेड़-पौधों व जीवों का जीवन,
अति महत्वपूर्ण होता है जल,
इसलिए कहते "जल ही जीवन"।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
परि० संवि० पूर्व मा० वि०- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1133

दिनाँक- 5.12.2020

दिन- शनिवार

चीं-चीं करती चिड़िया रानी

चीं-चीं करती चिड़िया रानी मेरी छत पर आती है,
अम्मा के बिखराए दाने चुन-चुन कर खा जाती है।
कुल्हड़ का ठंडा पानी भी उड़-उड़ कर पी जाती है,
सुबह-सुबह तो कभी शाम को खिड़की पर आ जाती है।।

अपनी मधुर-मधुर बोली से घर-आँगन चहकाती है,
मुँह में तिनका-तिनका लाकर अपना नीड़ बनाती है।
फूट-फूट अण्डों से निकले बच्चों को दुलराती है,
भर-भर चोंच में दाना-पानी नन्हे-मुन्नों को खिलाती है।।

धीरे-धीरे पंख फैलाकर उड़ना उन्हें सिखाती है,
ऊँचे-ऊँचे आसमान की सैर उन्हें करवाती है।
नित-नित बढ़ते बच्चों को फिर आत्मनिर्भर बनाती है,
फुदक-फुदक कर यहाँ-वहाँ फिर फुर्र से उड़ जाती है।।

रचना- सुप्रिया सिंह (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय बनियामऊ
मछरेहटा, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1134

दिनाँक- 05/12/2020

दिन- शनिवार

मिट्टी

मिट्टी तो है महान,
सभी गुणों की खान।
मिट्टी से बने हम,
मिट्टी से है अंतिम मिलन।।

मिट्टी से है सांसे,
इसमें ही फूल खिलते।
मिट्टी से है भोजन,
वस्त्र इससे ही मिलते।।

इसके अन्दर सोना-चाँदी,
इसमें ही मिलते सब रंग।
हीरा, लोहा, अभ्रक, ताँबा,
इसमें सारे खनिज लवण।।

तूफानों में बह जाती,
नदियों के संग रेत लाती।
चट्टानों के टकराने से,
देखो मिट्टी बन जाती।।

मिट्टी की महिमा निराली है,
इसकी अजब कहानी है।
मिट्टी ही है रचयिता,
मिट्टी की बात पुरानी है।।

रचना- मनोज कुमारी नैन (प्र०अ०)
प्रा० वि० गौरीपुर जवाहर नगर
वि० क्षे० व जनपद- बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 05/12/2020

1135

दिन- शनिवार

रसीले फल

देखो हरा-पीला रसीला आम,
हमें स्वस्थ बनाता है आम।
खट्टा-मीठा होता है आम,
सबके मन को भाता आम।।

अनार के लाल-लाल दाने,
खून बढ़ाने के काम हैं आने।
अनार के दाने मोती जैसे,
चम-चम चमके हीरे जैसे।।

नारंगी रंग का संतरा,
मन को भाता संतरा।
मीठा-मीठा इसका रस,
मन करता, पीते जाओ बस।।

तरबूज का रस मीठा-मीठा,
खाते हैं तो लगता मीठा।
काले-काले बीज हैं इसके,
गुण-फायदे अनेक हैं इसके।।

रचना-
नीरज (छात्र), कक्षा-3
प्रा० वि० बनगवां
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1136

दिनाँक- 5/12/2020

दिन- शनिवार

राष्ट्रध्वज

तीन रंग से बना हमारा तिरंगा,
हमारे भारत की शान तिरंगा।
एकता की शान तिरंगा,
राष्ट्रीय पर्व पर फहराएं तिरंगा।।

राष्ट्र का करो तुम सम्मान,
हमारे राष्ट्रगान का करो तुम सम्मान।
जन-गण-मन अधिनायक जय हो,
भारत माता की जय हो।।

२६ जनवरी को गणतंत्र के रूप में मनाते,
15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस में मनाते।
प्रधान जी का स्वागत करते हैं,
सभी तिरंगे को सलामी करते हैं।।

केसरिया रंग बलिदान का प्रतीक है,
सफेद रंग शांति का प्रतीक है।
हरा रंग हरियाली का प्रतीक है,
चक्र उन्नति की ओर अग्रसर होने का प्रतीक।।

रचना
अनुप्रिया कुमारी(छात्रा)
कक्षा- 5
प्रा०वि०डेरवांखुर्द
चहनियां, चंदौली

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1137

दिनाँक- 5/12/2020 दिन- शनिवार

सर्दी के दिन

सर्दी आयी, सर्दी आयी,
मौसम ने ली अँगड़ाई।
दिन ढ़लता जल्दी-जल्दी,
रातें हो गईं लम्बी लम्बी।।

सर्दी दिखाने लगी अब रंग,
दाँत किटकिटाते सब के संग।
चाय-पकौड़ों की लगे जब उमंग,
चाय की चुस्की लेते सब संग।।

बाजार में छायी है हरियाली,
सब्जियाँ मिलती हैं ताजी-ताजी,
साग बना जंगल की खीर,
गजक, मूँगफली खाकर बने वीर।।

स्वादिष्ट लगे टमाटर का सूप,
बाजरे के लड्डू हल्दी का दूध,
चेहरे पर तब आती है रौनक,
जब खिलती है चौतरफा धूप।।

रचना- तुलसी राव
(पूर्णकालिक शिक्षिका)
के० जी० बी० वी० गंगीरी
जनपद-अलीगढ़

newtext

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 5.12.2020 **1138** दिन- शनिवार

बेटी हूँ मैं

मेरे कोमल से मन को,
समझने की है दरकार।
भरा पड़ा है भीतर मेरे,
किस भाँति अम्बार प्यार।।

फिर भी मुझको ही क्यों बाबा ?
दिखलाते बाहर का द्वार।
मैं तेरे आँगन की तुलसी,
रहूँ जहाँ बाँटूँ प्यार ही प्यार।।

कोख में माँ की जब भी आती,
सहमी सी हूँ वक्त बिताती।
जाने कौन घड़ी मेरी ही ?
काल बन कर आ जाती।

बूढ़े हो चुके मात-पिता का,
कभी अकेली साथ दे जाती।
फिर कम क्यों ! हिस्से का मेरे प्यार,
चाह सिर्फ इज्जत की, प्रेम की दरकार।।

रचना- डॉ० आभा सिंह
भैसोड़ा (स०अ०)
रा० प्रा० वि० देवलचौड़
हल्द्वानी, नैनीताल

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1139

दिनाँक- 05.12.2020

दिन- शनिवार

ज्ञानेन्द्रियाँ

आओ बच्चों! तुम्हें सुनाएँ,
ज्ञानेन्द्रियों की बात बताएँ।
मस्तिष्क तक, संदेश पहुँचाती,
वह ज्ञानेन्द्रियाँ हैं, कहलाती।।

जिससे दुनिया को देखते,
उसे आँख हम कहते।
गंध-दुर्गंध की करे पहचान,
नाक है वह हमारी महान।।

सुनने का है जो सहारा,
कान है वो हमारा।
स्वाद को दुनिया में है भरती,
जीभ है यह सब करती।

ठंडा-गर्म, दर्द का कराए एहसास,
वह है त्वचा हमारी खास।
यह पाँचों सूचना पहुँचाते,
इसीलिए ज्ञानेंद्रियाँ कहलाते।।

रचना-
कुसुमलता नौटियाल
(प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० खर्क,
कीर्तिनगर, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

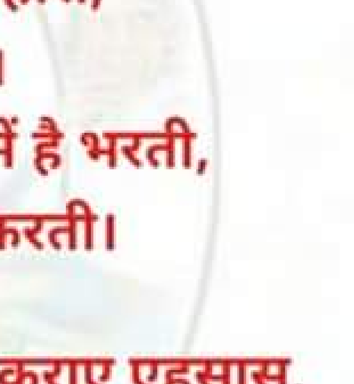

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1140

दिनाँक- 07.12.2020 दिन- सोमवार

एक से दस तक गिनती

एक से शुरु गिनती होती,
गाय की एक पूँछ होती।
एक और एक होते दो,
हमारे आँख, कान दो-दो।।

दो और एक होते तीन,
सपेरा बजाता रहता बीन।
दो और दो होते चार,
भोलूराम को आया बुखार।।

दो और तीन होते पाँच,
हम सीखते रोज नाच।
तीन और तीन होते छः,
हमारे घर में सदस्य छः।।

तीन और चार होते सात,
सप्ताह में दिन होते सात।
चार और चार होते आठ,
हम पढ़ते जिसमें वो कक्षा आठ।।

एक से नौ तक होतीं इकाई,
दस तक गिनलो शुरु दहाई।।

रचना- कु० मीनू (छात्रा)
कक्षा- 8
संवि० पूर्व मा० वि०- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 07/12/2020 **1141** दिन- सोमवार

हिन्दुस्तान

भारत की हम जान हैं,
हिन्दुस्तान की शान हैं।
उड़ते पंछी होते हम,
जाते सारी दुनिया में हम।।

हिदुस्तान का कोना, भ्रमण करके आते।
चन्द्रयान गया भारत से, विजय पताका फहराते।।

विज्ञान पर गर्व है हमको,
जिसने शान भारत को दिलायी।
लक्ष्मीबाई बड़ी बहादुर,
हमने सीख इनसे पायी।।

अंग्रेजों से छुटकारा हमें दिलाकर गयी,
लड़ते-लड़ते वह सीख, हमको सिखाकर गयी।।

हम भी कुछ ऐसा कर जायें,
जिससे हम भी बनें महान।
डॉ०, सिपाही, आदि कुछ तो,
कार्य करें बनें महान।।

रचना- कु० दीपिका (छात्रा)
कक्षा- 7
रा० पू० मा० वि० डोई वाला, देहरादून

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1042

दिनाँक- 07/12/2020

दिन- सोमवार

पहेलियाँ

तने मुलायम किसके होते?
मीठे-मीठे फल उसके होते।
लटक के नीचे बहुत हैं आए,
पत्तों से वन्दनवार बनाए।।

तीन-तीन मिल एक बना है,
डाल में काँटे कड़ा तना है।
सावन में हम लेकर आए,
शिव जी पर सभी चढ़ाए।।

नीले-नीले हैं रस के आगर,
पकते सब हैं बारिश पाकर।
हम सबने तो बहुत हैं खाए,
भर-भर झोली घर को लाए।।

पत्ती-पत्ती में है भरी खटाई,
डाली-डाली फली है आई।
मीठी-खट्टी जब लेकर आए,
बच्चे-बच्चे के मन को भाए।।

उत्तर क्रमशः- केला, बेलपत्र, जामुन, इमली।

रचना- सतीश चन्द्र (इं०प्र०अ०)
कम्पोजिट वि० अकबापुर
पहला, सीतापुर।

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1143

दिनाँक- 7/12/2020

दिन- सोमवार

काले-काले होते जामुन,
खट्टे-मीठे होते जामुन।
सबके मन को भाता जामुन,
सबका जी ललचाता जामुन।।

प्यारे-प्यारे होते जामुन,
अच्छे-अच्छे होते जामुन,
बहुत सुनहले होते जामुन,
सबको पंसद आते जामुन।।

जामुन का पेड़ लगाएँगे हम,
तभी तो जामुन खाएँगे हम।
जामुन के पेड़ पर काले गुच्छे,
ये लगते हैं हमें सबसे अच्छे।।

बहुत सजीले होते जामुन,
खट्टे लगते कच्चे जामुन।
मीठे लगते पक्के जामुन,
काले-काले होते जामुन।।

रचना
भानु प्रताप (छात्र)
कक्षा- 5
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1144

दिनाँक- 07/12/2020

दिन- सोमवार

"वर्ण अक्षर का ज्ञान"

आओ बच्चों! तुम्हें कराएँ,
वर्ण अक्षर का ज्ञान।
इस ज्ञान को पा कर तुम,
जग में करोगे नाम।।

छोटे 'अ' से अनार,
मैं हो गया बीमार।
बड़े 'आ' से आम,
कर जल्दी से काम।।

छोटी 'इ' से इमली,
फूलों पर बैठी तितली।
बड़ी 'ई' से ईख,
बड़ों की मानो सीख।।

छोटे 'उ' से उल्लू,
घूमने चलेंगे हम कुल्लू।
बड़े 'ऊ' से ऊन,
बिन पानी सब जग सून।।

रेनू मित्तल (अनुदेशक)
पू० मा० वि० धौर्रा
माफ़ी, जवां, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-07.12.2020

1145

दिन- सोमवार

मजदूर

हे विधाता! तेरी परीक्षा की धार पर,
चल रहा प्रवासी-अप्रवासी मजदूर।
जीवन बचाने की उम्मीदों से,
मौत गले लगाकर चलता दूर-दूर।।

जीवन जीने की आशातीत,
बंदिशों से छिन गयी रोजी-रोटी।
अपना आशियाना छोड़ने को हो गए मजबूर,
उन्हें गाँव-घरों तक छोड़ने की कोशिश की भरपूर।।

भीड़ भरे शहरों पर निर्भर जीवन,
आज ढूँढ रहा है हर गाँव।
सुख-सुविधा से वंचित रहे हमेशा गाँव,
आज जीवन बचाने के लिए बने ईश्वरीय छाँव।।

तभी महामारी से बचने के लिए,
भगदड़ मच गयी शहरों में।
पैदल चलने को हो गए मजबूर,
दुनिया के प्रवासी, अप्रवासी मजदूर।।

रचना-

लक्ष्मी (स०अ०)
एल० टी० सामान्य
रा०इ०का०मल्ला भैंस्कोट
मुनस्यारी (पिथौरागढ़)

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1146

दिनाँक- 08/12/2020

दिन- मंगलवार

हर आँगन में तुलसी हो

हर आँगन में तुलसी हो,
रहे हरी-भरी न झुलसी हो।
इसके गुण के क्या हैं कहने,
गुणकारी यह गुल सी हो।।

हर आँगन में तुलसी हो,
सुन्दरता बुलबुल सी हो।
जिस धरती पर यह उग जाए,
आभा भी रघुकुल सी हो।।

हर आँगन में तुलसी हो,
पावन गंगा जल सी हो।
यह तो है जन्नत का पौधा,
सेवा भी मृदुल सी हो।।

हर आँगन में तुलसी हो,
सम्पन्नता विपुल सी हो।
तुलसी विवाह का दिन लगे,
सुन्दर सजी पुतुल सी हो।।

रचना-
फ़राह हारून "वफ़ा"(प्र०अ०)
प्रा० वि० मढ़िया भांसी
सालारपुर, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1147

दिनाँक- 08/12/2020

दिन- मंगलवार

पेड़ लगाओ

पेड़ लगाओ जीवन पाओ,
धरा को हरा मिलकर बनाओ।
शाक-सब्जियाँ, फल और मेवे,
तोड़ बगीचे से मिल खाओ।।

फल और फूल सभी कुछ देते,
ऑक्सीजन भी हमको देते।
बदले में कुछ भी न लेते,
जीवन में खुशहाली भरते।।

फूल रंगीले बड़े सजीले,
औषधि और अनाज भी पाओ।
वस्त्र और फर्नीचर सब कुछ,
वनों और वृक्षों से पाओ।।

तपती हो जब धूप से काया,
सुख देती है शीतल छाया।
एक वृक्ष सौ पुत्रों जैसा,
पेड़ों ने ही संसार सजाया।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा,
बिसवां, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 08/12/2020

1148

दिन- मंगलवार

मोबाइल का जादू

मोबाइल हमारा सब बताता,
ऑनलाइन पढ़ाई करवाता।
अच्छी बातें वो बताता,
सुन्दर चित्र हमें दिखाता।।

कार्टून दिखाता सीख सिखाता,
संदेश इससे भेजते हैं।
शिक्षा में नवीन खोज करते हैं,
रोजगार भी कर पाते हैं।।

फोटो व बीडियो बनाने काम आता,
सभी सूचनाएँ प्राप्त करवाता।
मौसम की जानकारी देता,
खेती के बारे में हमें बताता।।

दूर-देश की घटनाएँ दिखाता,
खेल की जानकारी दे जाता।
मोबाइल से करो अच्छे काम,
वरना होंगे दुष्परिणाम।।

रचना- कृष्ण पाल (छात्र)
कक्षा-7
उ० प्रा० वि० सोही
बजीरगंज, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 08/12/2020 **1149** दिन- मंगलवार

डॉ० राजेंद्र प्रसाद

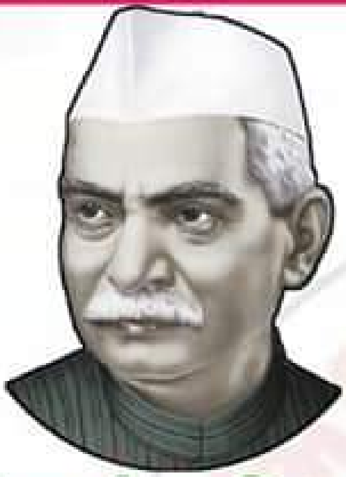

सरल-वेशभूषा धारी,
प्रतिभा सम्पन्न इन्सान।
हमारे प्रथम राष्ट्रपति,
डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद महान।।

जिला सीवन बिहार में,
जनमा व्यक्तित्व महान।
मां कमलेश्वरी,पिता महादेव,
संस्कृत में फारसी के विद्वान।।

पत्नी राजवन्शी देवी प्यारी
पुत्ररत्न मृत्युंजय प्रसाद।
प्रथम राष्ट्रपति बनकर,
किया राष्ट्र आबाद ।।

प्रारंभिक शिक्षा हुई छपरा में,
कोलकाता विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान।
देह छोड़ा 28 फरवरी 1963 में,
वो भारतीय परम्परा की चट्टान।।

रचनाकार - कविता गुप्ता (स० अ०)
पू० मा० वि० बिसाहुली, इगलास, अलीगढ़

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1150

दिनाँक- 8/12/2020

दिन- मंगलवार

पालक

पालक खाओ-पालक खाओ,
पालक खाकर बीमारी से बच जाओ।
पालक हरी सब्जियों में आता,
पालक को हर कोई खाता।।

पालक का बनता है साग,
पालक की बनती है कचौड़ी।
पालक डालकर बनती है दाल,
पालक की बनती है पकौड़ी।।

पालक जब मेरे पेट में जाता,
इसे खाकर बहुत मजा आता।
पालक खाओ सबको बताओ,
पालक अपने खेत में लगाओ।।

पालक खाओ-पालक खाओ,
पालक से अपनी सेहत बनाओ।
पालक, बीमार व्यक्ति को खिलाओ,
पालक खाकर स्कूल जाओ ।।

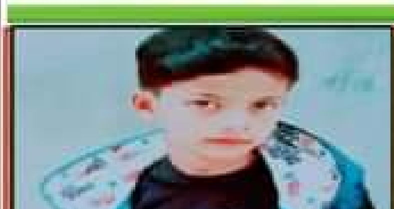

रचना

नाम-अभय (छात्र)
कक्षा-5
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चन्दौली

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 08/12/2020
1151
दिन- मंगलवार

मृदा बचाओ पेड़ लगाओ

मैं करता नमन उस मिट्टी को,
जिसने जग को है अन्न दिया।
रहने को घरौंदा दिया है जिसने,
सोना-चाँदी, खनिज और धन दिया।।

दिए फूल हर रंग के जिसने,
फल, सब्जी से भण्डार भरे।
ऊँचे पर्वत बने हैं जिससे,
बाग, खेत हैं जिसमें हरे-भरे।।

है कर्तव्य हमारा इसे बचाएँ,
प्रदूषण, क्षरण और कटान से।
पेड़ लगाएँ, मृदा उपजाऊ बनाएँ,
यह संदेश है पूरे जहान से।।

रविंद्र कुमार "रवि" सिरोही
ए० आर० पी, बडौत, बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 08.12.2020

1152

दिन- मंगलवार

डॉ० भीमराव अम्बेडकर

सबके प्यारे डा० भीमराव अम्बेडकर,
लोगों के दुलारे डा०भीमराव अम्बेडकर।
१४ अप्रेल को आता है उनका जन्म दिवस,
लोगों के लिए कार्य किया उन्होंने बरबस।।

जीवन था उनका संघर्षों से भरा,
फिर भी अपने हर वायदे को पूरा किया।
देशहित में कास्ट कंस्ट्रक्शन किया,
गरीबों, निर्बलों के जीवन में बल दिया।।

उनके दिखाए रास्ते पर हम सभी को चलना होगा,
संविधान की बातों पर अमल करना होगा।
इस परिनिवाण दिवस पर उनको,
हम सभी करते हैं शत्-शत् नमन।।

रचना -

कु० दृष्टि
कक्षा- ६
राजकीय क० उ० मा० वि० डुंगरी
नैनीडांडा, पौड़ी

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1153

दिनाँक- 08.12.2020

दिन- मंगलवार

होते साल में महीने बारह

साल में होते महीने बारह,
जनवरी से दिसम्बर तक महीने बारह।
किट-किट दाँत बजाती सर्दी,
बर्फ की चादर ओढ़े धरती।।

आया बसन्त खिला हर वृक्ष,
मौसम हुआ सुहाना।
कड़कती धूप में टपका पसीना,
पेड़ की छाँव में सूखे पसीना।।

छम-छम करती आती वर्षा,
खेत-खलिहान भिगाती वर्षा।
आया पतझड़ सूने पेड़,
दुःखी-दुःखी से लगते पेड़।।

त्योहारों का मौसम आया,
दीप जलाएँ, लीला रचाएँ।
तीज मनाएँ, हँसें हँसाएँ,
घुघती की माला बनाएँ।।

काला कौआ बुलाएँ,
मकर सक्रांति मनाएँ।
यूँ बढ़ते उजाले घटते अँधियारे को,
नमन हम करते जाएँ।।

रचना-
नन्दी चिलवाल (स०अ०)
रा० प्रा० वि० बानना
भीमताल, नैनीताल

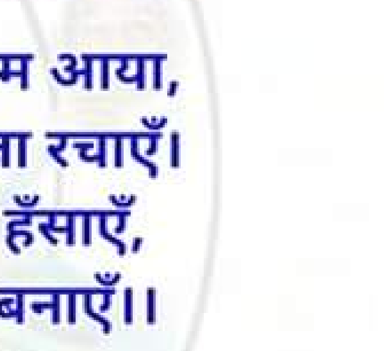

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1154

दिनाँक- 09/12/2020

दिन- बुधवार

अनजान जगह न जाएँगे

बहती नदिया कल-कल,
है उसके किनारे जंगल।
रेखा, राजू और मनोहर,
मिल कर गए घूमने जंगल।।

चले गए जंगल के अन्दर,
सबसे पहले देखा बन्दर।
फुदक-फुदक कर वह उछले,
डाली-डाली लटके झूले।।

हाथी, भालू, जिराफ, हिरन,
जंगल में करते विचरण।
नाचें मोर मस्त अलबेले,
थे वनचर झुण्डों के मेले।।

सहसा शेर दहाड़ सुनायी,
बच्चों की टोली घबरायी।
सरपट घर दौड़े, किया प्रण,
अनजान जगह न जाएँगे हम।।

रचना

रश्मि शर्मा(स०अ०)
प्रा०वि०विशुन नगर
खैराबाद,सीतापुर।

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 9/12/2020 **1155** दिन- बुधवार

हमारा भोजन

सब्जी खाओ, स्वस्थ रहो,
आलू खाओ, मोटे हो जाओ।
पालक खाओ, सेहत बनाओ,
लौकी खाओ, विटामिन 'A' पाओ।।

बैंगन, मूली, पालक, खाओ,
आलू, मटर, टमाटर खाओ।
सेहत अपनी खूब बनाओ,
गाजर खाओ, विटामिन 'A' पाओ।।

दूध पिओ, खूब जिओ,
टमाटर खाओ, विटामिन 'C' पाओ।
शलजम खाओ, खून बढ़ाओ,
सेब, केला, आम खाओ।।

दाल खाओ, प्रोटीन पाओ।
शरीर में वृद्धि भी पाओ,
पानी पीओ, जीवन बचाओ,
खनिज-लवण, विटामिन से रोगों से रक्षा पाओ।।

रचना
अनुप्रिया कुमारी (छात्रा)
कक्षा- 5
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-09/12/2020

1156

दिन-बुधवार

मन भायी बारिश

बारिश आयी, बारिश आयी,
सबके हृदय को मन भायी।
किसानों के जीवन में खुशियाँ लायी,
ठण्डी-ठण्डी वायु भर लायी।।

मेघ में बिजली कड़कड़ायी,
सुन्दर-सुन्दर कलियाँ खिलायी।
घर भीग गए, झोपड़ी भिगायी,
खेत-मैदान में हरियाली उगायी।।

धरती की प्यास को बुझाती,
गढ़्ढे, तालाब में पानी भर जाती।
पानी में हमने नाव चलायी,
पेड़-पौधे की करें भलायी।।

बारिश के बाद जो धूप खिलाए,
उसमें इन्द्रधनुष के रंग दिखाए।
सबके मन में खुशियाँ आयीं,
बारिश आयी, बारिश आयी।।

रचना-
शशी (छात्रा)
कक्षा- 7
उ० प्रा० वि० सोही
वजीरगंज, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 10/12/20

1157

दिन- बुद्धवार

'विद्यालय की पुकार'

आओ मेरे प्यारे बच्चो!
मैं तुमको रोज पुकारूँ।
सूनी पड़ी है मेरी गोद,
राह तुम्हारी निहारूँ।।

सूनी पड़ी है मेरी रसोई,
नहीं बन रही सब्जी-रोटी।
तहरी जो स्वादिष्ट बनावें,
नहीं आती वो अम्मा मोटी।।

तुम बिन मेरा वजूद क्या?
तुम हो मेरी धड़कन।
कैसे एक-एक पल जीऊँ मैं,
कोई न जाने मेरी तड़फन।

याद आता है रोज तुम्हारा,
लड़ना और चिल्लाना।
याद आता है गुरुजी का,
खेल-खेल में रोज पढ़ाना।

रचना
नरेन्द्र कुमार वर्मा (प्र०अ०)
प्रा० वि० बझेड़ा
चंडौस अलीगढ़

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1158

दिनाँक- 09.12.2020 दिन- बुधवार

झण्डा दिवस (07 दिसम्बर)

सात दिसम्बर का पावन दिन,
झण्डा दिवस कहलाता है।
तीन रंगों की पट्टी वाला,
तिरंगा झण्डा कहलाता है।।

सबसे ऊपर केसरिया रंग,
त्याग और बलिदान दर्शाता है।
बीच श्वेत पट्टी धर्म और,
शान्ति सन्देश फैलाता है।।

सबसे नीचे गहरा हरा रंग,
शान्ति और शुभता का है प्रतीक।
श्वेत पट्टी के मध्य नीला चक्र,
चौबीस तीलियाँ निरन्तरता का प्रतीक।।

खादी से निर्मित यह झण्डा,
आन, मान और शान है।
लहर-लहर लहराता तिरंगा,
देश का यह अभिमान है।।

रचना-
ललिता जोशी (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० पुगौर
मूनाकोट, पिथौरागढ़

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 9.12.2020 | 1159 | दिन- बुधवार

सुख का शैल

हनुमान कौन बनेगा अब,
वैक्सीन संजीवनी लाकर।
लगी कोरोना शक्ति विश्व को,
कौन तारेगा दुख सागर।।

कौन वैद्य सुषेण बनेगा,
कौन भेद लगाएगा।
कहाँ मिलेगी वह संजीवनी,
कौन आश बँधाएगा।।

पहले वैद्य सुषेण मिलेगा,
आकर दवा बताएगा।
फिर बनकर हनुमान कहीं कोई,
सुख का शैल उठाएगा।।

देखो! जगत दु:खी है भारी,
व्याधि निशा मुस्काती है।
नहीं किसी दिशा छोर से,
पहचान सुषेण की आती है।।

फिर जाएगा नैराश्य भुवन का,
आश भानु मुस्काएगा।
लौटेगी फिर चमक विश्व की,
कोरोना मर जाएगा।।

रचना-
विजय प्रकाश रतूड़ी (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि ०ओडाधार
भिलंगना, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1160

दिनाँक- 10/12/2020

दिन- गुरुवार

पिता

जिसने जन्म दिया है सुन्दर,
अनुपम प्यार छिपा है अन्दर।
पितृ स्नेह जग में है न्यारा,
करता जीवन में उजियारा।।

कहीं प्रीति की कहीं नीति की,
देते जीवन रस की शिक्षा।
भक्ति, ज्ञान, विज्ञान सभी की,
पिता से मिलती है नित दीक्षा।।

पुत्र से करता प्रेम आजीवन,
अर्पण भी करता है तन-मन।
पिता दिलाता हर सम्मान,
वक्त पर कर देता जीवन दान।।

पिता से बढ़कर न कोई धन,
बिना पिता के जीवन निर्धन।
पिता जीवन का है जन्मदाता,
कहलाता सर्जक निर्माता।।

रचना
सुरेश कुमार (प्र०अ०)
प्रा० वि० बाँसुरा (प्रथम)
वि० क्षेत्र- रामपुर मथुरा,
जनपद- सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 10/12/2020

1161

दिन- गुरूवार

पौष्टिक फल

अंगूर एक छोटा फल,
उसमें छिपा मीठा जल।
अंगूर का छिलका हरा,
वो भी है रस से भरा।।

लाल-लाल होता सेब,
बीमारी से बचाता सेब।
सबसे मीठा होता सेब,
लाल-हरा भी होता सेब।।

अनन्नास है बाहर से काँटेदार,
अन्दर से होता रसदार।
पीला-पीला इसका गूदा,
लगता जैसे खाओ फालूदा।।

केले का है छिलका पीला,
मगर यह नहीं होता रसीला।
केला होता है बहुत मीठा,
मगर नहीं होता यह फीका।।

रचना-
नीरज (छात्र), कक्षा-3
प्रा० वि० बनगवां
सालारपुर, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1162

दिनाँक- 10/12/2020

दिन- गुरुवार

टमाटर

टमाटर खाओ, टमाटर खाओ,
गर्मी में भी खाओ।
जाड़ा में भी खाओ,
टमाटर हर मौसम में खाओ।।

टमाटर खाओ, टमाटर खाओ,
टमाटर हरा भी खाओ।
टमाटर लाल भी खाओ,
टमाटर सब्जी में भी खाओ।।

लाल टमाटर को सभी खाओ,
टमाटर से विटामिन 'C' पाओ।
टमाटर खाली पेट भी खाओ,
टमाटर खाओ, टमाटर खाओ।।

टमाटर में विटामिन, पोटैशियम,
टमाटर का सलाद भी खाओ।
टमाटर की चटनी भी खाओ,
टमाटर खाओ, टमाटर खाओ।।

रचना
कु० दिव्या (छात्रा)
कक्षा- 4
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चन्दौली

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

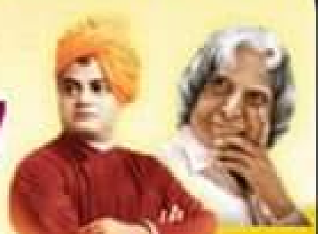

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 09/12/2020 1163 दिन- गुरुवार

आओ बच्चों! तुम्हें सुनाएँ

आओ बच्चों! तुम्हें सुनाएँ,
कुछ बातें हैं बहुत जरुरी।
जीवन में कुछ करना है तो,
शिक्षा को तुम लेना पूरी।।

मात-पिता की आस तुम्हीं से,
इस धरती का भविष्य तुम्हीं से।
गुरु का सम्मान सदा ही करना,
अच्छी बातें तुम अपनाना।।

झूठ कभी न तुम बोलना,
सच्ची बातें सदा ही करना।
जीव, हिंसा कभी न करना,
चोरी से सदा दूर ही रहना।।

बच्चों! मिलजुल कर रहना,
आपस में तुम कभी न लड़ना।
एक दिन महान बन जाओगे,
सबका प्यार, सम्मान पाओगे।।

रचना- अनुपमा जैन (स०अ०)
पूर्व मा० विद्यालय, मोहकमपुर
इगलास, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 10-12-2020 **1164** दिन- गुरुवार

कन्या भ्रूण हत्या

माँ दुर्गा की पूजा करके,
भक्त बड़े कहलाते हो।
कहाँ गयी वो भक्ति अब,
जो बेटी मार गिराते हो।।

उसे संसार का सुख पाने दो,
खत्म करो उनकी हत्या अब।
उन्हें जीवन-ज्योति जलाने दो,
मीठी खुशबू फैलाने दो अब।।

कलियाँ जो तोड़ी तुमने तो,
फूल कहाँ से लाओगे?
बेटी की हत्या करके तुम,
बहू फिर किसे बनाओगे?

कलियों को खिल जाने दो,
मीठी खुशबू फैलाने दो।
बन्द करो उनकी हत्या,
उन्हें जीवन जोत जलाने दो।।

रचना
पुष्पा तिवारी (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० आमबाग
टनकपुर, चम्पावत

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 10/12/2020 **1165** दिन- गुरुवार

प्यारे नौनिहालो

चिन्तन करो, मनन करो,
चिन्ता तुम छोड़ दो।
आलम्बन करो, मन्थन करो,
कपट तुम छोड़ दो।।

अर्पण करो, समर्पण करो,
अल्हड़पन तुम छोड़ दो।
प्रार्थना करो, वन्दना करो,
प्रलोभन तुम छोड़ दो।।

प्रेम करो, सम्मान करो,
घृणा तुम छोड़ दो।
नतमस्तक हो, गुणवान बनो,
बड़बोलापन छोड़ दो।।

खुद सँभलो, औरों को सँभालो,
बिखरना तुम छोड़ दो।
शंखनाद करो, गर्जना करो,
विलाप तुम छोड़ दो।।

सुनो प्यारो नौनिहालो!
चलें चलो,चले चलो।।

रचना
बीना रजवार (स०अ०)
रा० प्रा० वि० धानाचूली नवीन
धारी, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1166

दिनाँक- 11/12/2020

दिन- शुक्रवार

सबसे सीखो

फूलों से सीखो लहराना,
हर पल यूँ ही मुस्कुराना।
जीवन में आगे बढ़ते चलो,
सबसे गले मिलते चलो।।

जल से सीखो बहते रहना,
हर पल यूँ ही महके रहना।
बच्चे तुम हो बिल्कुल सच्चे,
दिल के साफ और हो अच्छे।।

पेड़ों से तुम झुकना सीखो,
नहीं कभी भी रुकना सीखो।
यही है जीवन का आधार,
प्रकृति का अनुपम उपहार।।

चींटी से मेहनत करना सीखो,
हर मौसम में चलना सीखो।
तुम भी बनो बहादुर ऐसे ही,
तुम अपने को मानो वैसे ही।।

रचना
भुवन प्रकाश (इं०प्र०अ०)
प्रा०वि० पिपरी नवीन
मिश्रिख, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 11.12.2020 **1167** दिन- शुक्रवार

गल्फस्ट्रीम

पृथ्वी पर अनेक जलधाराएँ बहतीं,
गल्फस्ट्रीम उष्ण व नीले जल की बहती।
मेक्सिको की खाड़ी के उत्तर से आती,
कनाड़ा तक प्रवाहित हो बहती।।

विश्व की सबसे तेज बहने वाली,
महासागरीय यह जलधारा है।
यूरोप का गर्म-कम्बल कहलाती,
अटलान्टिक महासागर में खाड़ी की धारा है।।

मेक्सिको की खाड़ी से उत्पन्न होने के कारण,
खाड़ी की धारा भी कही जाती।
उत्तरी अमेरिका के पूर्वी तट और यूरोप के,
पश्चिमी तट के तापमान को बढ़ाती।।

यह पश्चिमी तट की तीव्र धारा,
हवा के वहाव, तनाव से संचालित है।
गर्म-जलधारा उष्ण-कटिबन्धीय,
चक्रवात का निर्माण करती प्रवाहित है।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
संवि० पूर्व मा० विद्यालय- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 11.12.2020 1168 दिन- शुक्रवार

गुब्बारे

रंग-बिरंगे प्यारे-प्यारे,
सबको भाते हैं गुब्बारे।
हरे, गुलाबी, लाल, बैंगनी,
नीले, पीले, न्यारे न्यारे।।

जन्मदिवस हो या शादी हो,
वर्षगाँठ की शुभ बेला हो।
नन्हे-मुन्ने खुशी मनाते,
लगा सामने जो ठेला हो।।

पैसे देकर सभी खरीदें,
फूँक मार फिर इन्हें फुलाते।
तितली से, ले नाचें कूदें,
कभी गोद में संग सुलाते।।

आसमान में तेज उड़ें तो,
परीलोक हमको दिखलाते।
साथ हमारा भी मन उड़ता,
छूते जाकर चाँद सितारे।।

रचना- तेजवीर सिंह 'तेज' (स०अ०)
पू० मा० वि०- करहला
छाता, मथुरा

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1169

दिनाँक- 11/12/2020
दिन- शुक्रवार

प्यासी धरती

अगर पृथ्वी पर जल नहीं होता,
सोचो कैसा फिर कल होता।
प्राणी को न मिलता भोजन,
दूभर हो जाता जन-जीवन।।

पीने को पानी नहीं होता,
खाने को भोजन नहीं होता।
सूना-सूना पनघट होता,
सूखा-सूखा सरोवर होता।।

पानी बिना खेती नहीं होती,
किसानों की बर्बादी होती।
बंजर पड़ी यह धरती होती,
किसानों को परेशानी होती।।

पानी की तलाश करते पशु-पक्षी,
भूखे-प्यासे उड़ते पक्षी।
समझे सभी पानी की कीमत,
पानी से ही चमकती किस्मत।।

रचना- कु० सरस्वती (छात्रा)
कक्षा- 5
प्रा० वि० बनगवां
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 11/12/2020 1170 दिन- शुक्रवार

बच्चों! निराश न होना

बच्चों! कभी निराश न होना,
निज नयनों को नहीं भिगोना।
अपनी मेहनत से तुम प्यारे,
कर दोगे मिट्टी को सोना।।

कल की चिंता में मत रोना,
जो होना है वो है होना।
आज परिश्रम यदि कर लोगे,
'कल' होगा फिर सुखद सलोना।।

मात-पिता को इज्ज़त देना,
मानो प्रिय तुम उनका कहना।
तुमसे आत्मिक प्रेम उन्हें है,
तुम ही तो हो उनका गहना।।

मेहनत से तुम पढ़ना-लिखना,
फिर जीवन में आगे बढ़ना।
खूब लगन से प्यारे बच्चों,
मातृभूमि की सेवा करना।।

रचना-
प्रदीप कुमार चौहान (प्र०अ०)
प्रा० वि० कलाई
धनीपुर, अलीगढ

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1171

दिनाँक- 11/12/2020

दिन- शुक्रवार

नीम

ना मैं डॉक्टर, ना मैं ओझा,
ना मैं वैद्य, हकीम।
मैं तो केवल एक पेड़ हूँ,
नाम है मेरा "नीम"।।

मेरी सूखी पत्ती डालो,
ऊनी कपड़ें, अनाज बचालो।
सूखे पत्तों के धुएँ से,
मक्खी, मच्छर दूर भगालो।।

घनी पत्तियों के कारण,
शीतल है मेरी छाया।
गर्मी और थकान मिटे,
जो मेरे नीचे आया।।

सूरज, चाँद, सितारों की,
जब तक चले कहानी।
हमेशा सबको सुख देने की,
सदा हैं मैंने मन में ठानी।।

रचना
कु० रोली शर्मा (छात्रा)
कक्षा - 5
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 11.12.2020

1172

दिन- शुक्रवार

बेटी

माँ धरती पर आने दो,
उन्हें जीवन जोत जलाने दो।
बेटी को मत, समझो भार,
जीवन का है आधार।।

क्यों बेटियों को नकारते हो?
क्यों बेटियों पर अत्याचार हो।
बेटा वंश है, बेटा आन है,
तो बेटी अंश है, बेटी शान है।।

अगर फूल लड़के हैं तो,
उसकी खुशबू हैं लड़कियाँ।
अगर लड़के किताब हैं तो,
उसमें की सीख हैं लड़कियाँ।।

बेटियाँ सब के नसीब में कहाँ,
रब को जो घर पसन्द आए वहाँ।
हर आँगन में फूल खिलाएँ।
आओ हम सब बेटी बचाएँ।।

रचना-
पुष्पा तिवारी (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० आमबाग
टनकपुर, चम्पावत

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 11-12-2020 1173 दिन- शुक्रवार

कभी तुमने ऐसा सोचा है

जो सच्चाई की राह पर चलता हो,
जो कभी असत्य ना बोलता हो।
वह जो सब का मान रखता हो,
क्या कभी तुमने ऐसा सोचा है।

माने सभी की बात,
खुशियों को फैला दे आस-पास।
अच्छाई किसी में, बुराई किसी में होती है,
क्या तुमने कभी ऐसा सोचा है?

सर झुकने ना दे, सम्मान करे,
खुद को टूटने ना दे, आदर करे।
सब में सच-झूठ होता है,
क्या कभी तुमने ऐसा सोचा है?

खुशियों के हर लमहे पर,
फूलों की हर कालियों पर।
डर मन में ना रहने देगा,
खुशियाँ सभी में फैला देगा।।

जो सच्चाई की राह पर चलता है,
क्या तुमने कभी ऐसा सोचा है?

रचना- कु० अंशू (छात्रा)
कक्षा- 8
रा० उ० प्रा० वि० नूरपुर
काशीपुर, ऊधमसिंह नगर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1174

दिनाँक- 12/12/2020

दिन- शनिवार

सूरज की किरणें

सूरज की किरणें चमक रहीं,
धरती पर जैसे दमक रहीं।
सूरज की किरणें सबको प्यारी,
मन को धूप लगती न्यारी।।

सूरज देखो, पूरब में उग गया,
सुनहरी किरणों के संग खिल गया।
पेड़ों के पीछे जब छिप जाता,
ऐसा लगता दूर डूब जाता।।

जब सूरज पश्चिम में डूब गया,
शाम को पड़ी गोधूली छाया।
पंछी छिपने लगे नीड़ों में,
लाली छायी बादलों में।।

धरती पर जब धूप पड़ी,
ओस की बूँद चमक पड़ी।
सूरज की किरणें चमक रहीं,
धरती पर देखों दमक रहीं।।

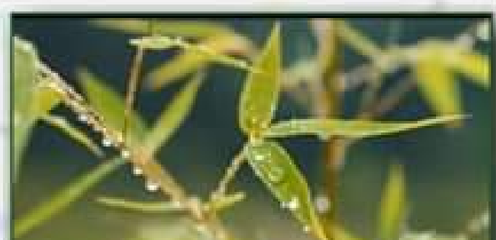

रचना- कृष्ण पाल (छात्र)
कक्षा-7
उ० प्रा० वि० सोही
बजीरगंज, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1175

दिनाँक- 12/12/2020

दिन- शनिवार

दोहे— मान-सम्मान, अभिमान-अपमान

मात्र दिखावे के लिए, करें लोग सम्मान।
मोल लगाकर सत्य का, गिरा रहे हैं मान।।

धर्म-कर्म से है बड़ा, कहते वेद-कुरान।
धर्म सहज जो जान ले, पाता है सम्मान।।

परहित में कुछ काम कर, कर न कभी अभिमान।
दूजों के हित जो जिए, वो सच्चा इन्सान।।

शिक्षक या माता-पिता, होते देव समान।
लेते ना, देते सदा, करो नहीं अपमान।।

रचना-
श्रीमती पूनम गुप्ता "कलिका"
(स०अ०) प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, जनपद अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
1176
दिनाँक- 12/12/2020
दिन-शनिवार

मानवता

दुःख से बिलखता मिले जो कोई,
मदद को उसकी आगे ही आना।
हम सब हैं मानव न भेद कोई,
धर्म मानव का सीखो निभाना।।

अंधकार में भटके-अटके हुए जो,
उजले विचारों से आशा जगाना।
अहं न करना, समता हो करुणा,
आदर्श पथ पर बढ़ते ही जाना।।

व्यथा भार से रोते, गिरते आँसू,
उनसे मिलकर ढाँढस बँधाना।
सेवा के पथ पर बढ़ो निरन्तर,
भटके हुओं को, पथ है दिखाना।।

वसन हीन तन, साधन नहीं हैं,
सक्षम अगर हो मदद को जाना।
बनो सहायक, है समाज अपना,
फर्ज मानव का सीखो निभाना।।

रचना- सतीश चन्द्र (इं०प्र०अ०)
कम्पोजिट वि० अकबापुर
पहला, सीतापुर।

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1177

दिनाँक- 12/12/2020

दिन- शनिवार

The Little Fir Tree

Once upon a time,
A magicion was returning home.
All of a sudden,
It began to rain.

He looked around,
But shelter can not found.
Saw a little fire tree,
Took shelter tension free.

The magician wanted,
To gave reward the tree.
Four wishes he granted,
For a little fir tree.

The tree had needle-like leaves,
So no birds can make their lives.
He wish he had green leaves,
Like his other good friends.

CREATION
Suman Maurya (A.T.)
P. S. Derawakhurd
Chahaniya, Chandauli

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 12.12.2020 **1178** दिन- शनिवार

सूर्यदेव

हे सूर्य देव! तुमको प्रणाम,
पूजा करूँ हर रोज तुम्हारी।
देते सबको जीवनदान,
करती हूँ हर रोज प्रणाम।।

चारों दिशाओं में फैलता प्रकाश,
कण-कण को चमकाते हे रविराज!
दिन से ही होते हर काम,
हे सूर्यदेव तुम्हें प्रणाम।

चेहरा है गोल रंग है लाल,
धरती अम्बर में सबको देते जीवनदान।
सुबह को आकर शाम को जाते,
कण-कण में अपना बास बनाते।
देते सबको जीवनदान।
सूर्यदेव तुम्हें प्रणाम।।

रचना- कु० अलका (छात्रा)
कक्षा- 8
रा० उ० प्रा० वि० नूरपुर
काशीपुर, ऊधमसिंह नगर

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 14/12/2020 **1179** दिन- सोमवार

अपना प्यारा भारत

सोने की चिड़िया कहलाता,
अपना प्यारा भारत है।
सर्वजगत लोहा मनवाता,
अपना न्यारा भारत है।।

ऋषि, मुनि, कवि, ज्ञानी, साधु,
सन्तों की जन्मभूमि है।
वीर वीरांगनाओं देशभक्त,
बलिदानियों की कर्मभूमि है।।

गंगा, यमुना, कृष्णा, कावेरी,
अनेक नदियाँ बहती हैं।
हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई,
मानव जातियाँ बसती हैं।।

अनेकता में एकता समेटे,
ऐसा देश निराला है।
सारे जग में सबसे प्यारा,
भारत देश हमारा है।।

रचना- सुप्रिया सिंह (स० अ०)
कम्पोजिट स्कूल बनियामऊ
मछरेहटा, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 14/12/2020 **1180** दिन- सोमवार

गोभी

गोभी खाओ, गोभी खाओ,
गोभी खाकर मस्त हो जाओ।
गोभी को तुम रोज खाओ,
गोभी की तुम सब्जी खाओ।।

गोभी का बनता है पराठा,
गोभी का बनता है अचार।
गोभी की बनती है पकौड़ी,
गोभी होता है लाजवाब।।

गोभी का पौधा लगाओ,
गोल-गोल होता गोभी।
सफेद फूल गोभी के होते,
हरे-हरे होते भी गोभी।।

गोभी होता सबकी पसंद,
गोभी खाकर सेहत बनाओ।
गोभी के पत्ते हरे होते,
गोभी खाओ गोभी खाओ।।

रचना
अभय (छात्र)
कक्षा- 5
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चन्दौली

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1181

दिनॉंक-14/12/20

दिन-सोमवार

' मेरा परिवार'

क्या होता है परिवार?
कैसे इसे बयान करूँ?
होता जीवन का आधार,
क्या इसका मैं बखान करूँ?

परिवार से मकान, घर बना,
खुशी का हर माहौल बना।
दुख-दर्द में हर-दम साथ खड़ा,
घर छोटा हो या फिर बड़ा।।

मन जो विचलित हो जाए,
घबराहट जब बहुत सताए,
परिवार मेरा हिम्मत बन जाए,
तनाव हर एक, बौना बन जाए।।

साथ न छोड़ो इसका तुम,
वरना हो जाओगे गुम।
चाहे जो भी विपदाएँ आएँ,
परिवार साथ खड़ा हम पाएँ।।

रचना- प्रतिमा पोद्दार
(स०अ०)
प्रा० वि० मनोहरपुर
कायस्थ
लोधा, अलीगढ़।

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 14/12/2020 1182 दिन- सोमवार

परोपकार

सृष्टि क्षण-क्षण,
अनोखी शिक्षा देती।
हमें सर्वस्व दे बदले में,
कुछ नहीं लेती।।

सूर्य तपकर जग को,
आलोकित कर दे।
चाँद प्रकाश लुटा,
शीतलता से मन भर दे।।

मानव जीवन धन-धान्य,
करें अचला-सरिता।
कण-कण व कल-कल में,
परोपकार की कविता।।

समुद्र, वर्षा करवाएँ,
दूध देतीं गायें।
पेड़-पौधे देते आए,
हमें प्राणवायु हवाएँ।।

रचना- अनिता नौडियाल (स०अ०)
रा० प्रा० वि० मैखण्डी मल्ली
कीर्तिनगर, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 14.12.2020
1183
दिन- सोमवार

जाड़ा आया

आया जाड़ा, आया जाड़ा,
सर-सर हवा चली है।
थर-थर ठण्ड बड़ी है,
रुई जैसी बर्फ पड़ी है।।

मै बड़ा भयानक जाड़ा हूँ,
धूम मचाता आया हूँ।
मेरे डर से बच्चे बाहर न निकलते,
बूढ़े छिपे हुए बिस्तर में रहते।।

नाक सभी की लाल हो जाती,
सिकुड़ी-सिकुड़ी त्वचा हो जाती।
गुड़-मूँगफली शहद का सेवन कर,
गाजर-मूली, साग-भाजी खाकर।।

खाना ठण्डा, पानी ठण्डा,
अम्मा जी का बिस्तर ठण्डा।
आओ आग जलाएँ हम,
जाड़े को दूर भगाएँ हम।।

रचना-
दीपिका चौसालीं (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० बिरकाणा
कनालीछीना, पिथौरागढ़

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1184

दिनाँक- 14/12/2020

दिन- सोमवार

दुनिया बचाओ

पृथ्वी को यदि बचाना है,
तो ऊर्जा को भी बचाना है।
किसी काम को पूरा करते,
ऊर्जा का ही प्रयोग करते।।

ऊर्जा व्यर्थ न करें,
ऊर्जा को संरक्षित करें।
एल० ई० डी० बल्ब जलाएँ,
ऊर्जा व्यर्थ व्यय से बचाएँ।।

सोलर कुकर में खाना बनाएँ,
ऊर्जा क्षमता वाले चूल्हे जलाएँ।
भोजन को ढ़क कर पकाएँ,
अनाज पानी में भिगो कर बनाएँ।।

ए० सी० का प्रयोग कम करें,
हल्के रंग के पर्दों का प्रयोग करें।
सोलर वाटर हीटर का प्रयोग करें,
भविष्य के लिए ऊर्जा संरक्षण करें।।

रचना- कु० सरस्वती (छात्रा)
कक्षा- 5
प्रा० वि० बनगवां
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1185

दिनाँक-14/12/2020

दिन- सोमवार

ऊर्जा की बचत

जब जीवन की बात होगी,
ऊर्जा संरक्षण की शुरुआत होगी।
जीवन में ऊर्जा का करो कम प्रयोग,
जीवन में न करो इसका दुरुपयोग।।

नाइट्रोजन बल्ब का प्रयोग न करें,
एल० ई० डी० बल्ब की शुरुआत करें।
सोलर लाइट का प्रयोग करें,
ऊर्जा व्यर्थ व्यय न करें।।

जल का करो कम प्रयोग,
करो न तुम इसका दुरुपयोग।
विद्युत ऊर्जा की करो बचत,
कम ऊर्जा की करो खपत।।

ऊर्जा को करें संरक्षित,
कभी न रहेंगे इससे वंचित।
जब जीवन की बात होगी,
ऊर्जा संरक्षण की शुरुआत होगी।।

रचना-
शशी (छात्रा)
कक्षा- 7
उ० प्रा० वि० सोही
वजीरगंज, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1186

दिनाँक- 14/12/2020

दिन- सोमवार

ऊर्जा से पूरे होते काम

दिन भर में जो भी काम करते,
ऊर्जा प्रयोग से ही पूरे करते।
दिन हो या रात हो ऊर्जा प्रयोग करते,
ऊर्जा को संरक्षित करना यदि चाहते।।

एल० ई० डी० बल्बों का प्रयोग करें,
भोजन को ढ़क कर पकाएँ।
व्यर्थ विद्युत न प्रयोग करें,
सोलर लाइट का प्रयोग करें।।

कागज को पुनः चक्रित करें,
जल को कभी व्यर्थ न करें।
विद्युत ऊर्जा की बचत करें,
सूर्य की रोशनी का प्रयोग करें।।

ए० सी० का प्रयोग कम करें,
हल्के रंग के पर्दों का प्रयोग करें।
गर्म जल यदि करना हो,
सोलर वाटर हीटर का प्रयोग करें।।

रचना- कु० काजल, (छात्रा)
कक्षा- 7
उ० प्रा० वि० सोही
बजीरगंज, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-15/12/2020

1187

दिन- मंगलवार

मिशन प्रेरणा अभियान

प्रिन्ट रिच सामग्री होगी,
मैथ किट भी साथ होगी।
मिशन-प्रेरणा अभियान में,
सीखने की विविध सामग्री होगी।।

बातें भी मन भाएँगी,
गतिविधियाँ सिखाएँगी।
गीत, कहानियाँ, पुस्तकें,
बच्चों को लुभाएँगी।।

अभिभावक भी जानेंगे,
समुदाय भी मानेंगे।
शिक्षा है अनमोल रत्न,
ज्ञान रत्न को पाएँगे।।

अभिभावक भी जाग्रत होगा,
समुदाय भी सहयोगी होगा।
समावेशी शिक्षा से,
हर बालक उपयोगी होगा।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना-
प्रतिभा भारद्वाज
पू० मा० वि० वीरपुर
छबीलगढ़ी ,जवां, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1188

दिनाँक- 15/12/2020

दिन- मंगलवार

मैं हूँ नन्ही परी तुम्हारी

अम्मा मेरी चलो बाज़ार,
रुठुँगी वरना अबकी बार।
बाबा से तुम रुपया ले लो,
मुझको भी संग अपने ले लो

भैया का खिलौना लाती,
नए जूते और पैन्ट दिलाती।
सुन्दर गुड़िया ले दो इस बार,
ले दो लाल फ्राक छींटदार।।

मोती की एक माला लूँगी,
कंगन लाल सुनहरे लूँगी।
लगते कितने ये प्यारे-प्यारे,
लगते मुझको चाँद-सितारे।।

इन्हें पहन मैं इतराऊँगी,
रानी सी सुन्दर बन जाऊँगी।
मान जाओ मेरी अम्मा प्यारी,
मैं हूँ नन्ही परी तुम्हारी।।

रचना
रश्मि शर्मा(स०अ०)
प्रा०वि०विशुन नगर
खैराबाद,सीतापुर।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 15/12/2020

1189

दिन- मंगलवार

ऊँट

रेगिस्तान का जहाज ऊँट है कहलाता,
ज्यादातर राजस्थान राज्य में यह पाया जाता।
बिन पिये पानी यह, एक महीना रह जाता,
सवारी-सामान ढोने के काम यह आता।।
चालीस से पचास वर्ष है जीवन इसका,
टाँगे लम्बी, गर्दन लम्बी, पीठ पर कूबड़ है होता।
रेतीले-तपते मैदान में यह चलता जाता,
पैंसठ किमी रफ्तार से यह है भागता।।

'कैमुलस' वैज्ञानिक नाम है इसका,
स्तनधारी जीव है यह रेगिस्तान का।
नौ से दस फुट होती है लम्बाई इसकी,
है शाकाहारी, घास-पत्ते खाता हरी-हरी।।
बड़े-बड़े चौंतीस दाँत होते हैं इसके,
काट देता है बड़ी झाड़ियों को जिससे।
मजबूत गद्दीदार होते हैं पंजे इसके,
रेतीले रेगिस्तान में चलने में जो मदद करते।।

रचना:
रूखसाना बानो(स०अ०)
कम्पोज़िट विद्यालय अहरौरा
जमालापुर, मिर्ज़ापुर

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 15/12/2020 **1190** दिन- मंगलवार

परी

जाड़े के दिन थे आये,
एक परी को संग थे लाये।
उड़ते-उड़ते पृथ्वी पर दिया,
छड़ी से एक जादू को फेंक।।

रंग-बिरंगी फुलवारी खिलायी,
तितली और मधुमक्खी भी आयी।
परी बोली मधुमक्खी से,
आओ मिलकर खेलें खेल।।

मधुमक्खी बोली छत्ता बना दूँ,
फिर खेलुँगी मैं खेल।
परी बोली पहले खेलो,
फिर बाद में छत्ता बनओ।।

परी ने मधुमक्खियों को आवाज़ लगायी,
बहुत सारी मधुमक्खियाँ चलीं आयीं।
छत्ता बनाकर शहद भराया,
सबको फिर खेल खिलाया।।

रचना- कृष्ण पाल (छात्र)
कक्षा-7
उ० प्रा० वि० सोही
बजीरगंज, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 15/12/2020 **1191** दिन- मंगलवार

टिक-टिक-टिक चली घड़ी,
समय बताती है घड़ी।
सात बजे, तो बताती घड़ी,
आठ बजे, तो बताती घड़ी।।

टिक-टिक-टिक चली घड़ी,
लन्च का समय हो, तो बताती।
गुडआफ्टरनून हो, तो बताती,
गुडमार्निंग भी बताती हैं घड़ी।।

दिन-रात टिक-टिक चली घड़ी,
नौ बजे तो बताती है घड़ी।
दस बजे तो बताती है घड़ी,
ग्यारह बजे तो बताती घड़ी।।

छोटी चाहे बड़ी घड़ी,
समय लेकिन बताती घड़ी।
बड़े काम की है ये घड़ी,
टिक-टिक-टिक चली घड़ी।।

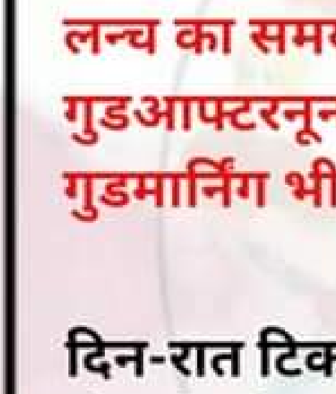

रचना
अनुप्रिया कुमारी (छात्रा)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1192

दिनाँक- 15-12-2020

दिन- मंगलवार

मेरा स्कूल, प्यारा स्कूल

कितना सुन्दर है मेरा स्कूल,
इसमें खिले रंग-बिरंगे फूल।
फूल सुहाने सबको लगते,
उनको देखकर सब ललचाते।।

टीचर हमको पाठ पढ़ाती,
नई-नई बातें सिखलाती।
फूलों से गिनती करवाती,
टॉफी देकर हमें खिलाती।।

देखो-देखो स्कूल खुला है,
पढ़ाई करने को केशव चला है।
कितना प्यारा मेरा स्कूल,
जग से न्यारा मेरा स्कूल।।

रचना- केशव सिंह सेन्धवाल
(छात्र)
कक्षा- 3
रा० प्रा० वि० ठाण्ड- धरसाल
ऊखीमठ, रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

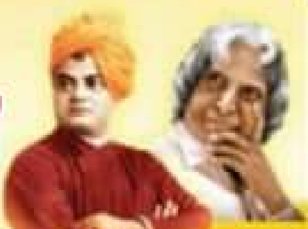

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 15.12.2020

1193

दिन- मंगलवार

माँ

तुम प्रेम की गंगा हो माँ,
ज्ञान का हो दर्पण।
मैं भावों की चन्द पंक्तियाँ,
करती हूँ तुमको अर्पण।

आँचल की छाँव आपकी,
हो जैसे अम्बर विस्तार।
सच्चा और निश्छल इस जग में,
है माँ तुम्हारा प्यार।।

तुम्हारी मीठी मुस्कान में माता,
है चन्दन सी शीतलता।
माँ तुम्हारे चरणों में जग का,
हर सुख है मिलता।।

इस जमीन पर यदि जन्नत है,
तो वह जन्नत है माँ,
सभी प्रतिमाओं से खूबसूरत,
है तो वह प्रतिमा है माँ।।

रचना -
पुष्पा बहुगुणा (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० पिपोला
जाखणीधार, टिहरी गढ़वाल

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 16-12-2020 | 1194 | दिन- बुधवार

साफ- सफाई

घर से निकला गन्दा पानी,
बहुत होती इससे परेशानी।
उसकी करना सही निकासी,
जिससे मिलती खूब शाबाशी।।

सारे कूड़े-कचरे को,
कूड़ेदान में डालना है।
गीला कूड़ा, सूखा कूड़ा,
अलग-अलग निस्तारना है।।

चाट-पकौड़ी खाकर,
ना फेंको इन्हें सड़क पर।
स्वच्छता इनकी है आवश्यक,
ना समझो यह काम अनावश्यक।।

घर के अन्दर शौचालय की,
निरन्तर सफाई करनी है।
ना रहे उनमें कीटाणु,
यह बात समझनी है।।

रचना-
कल्पना कुमारी (स०अ०)
क० मॉ० प्रा० वि.हाजीपुर फतेह खान
धनीपुर, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1195

दिनाँक- 16.12.2020

दिन- बुधवार

वृत्त, शंकू, बेलन, और घन

चार आकृतियाँ हमें दे रहीं दिखायी,
वृत्त, शंकू, बेलन, घन चारों भाई।
'वृत्त' कहे हर, घर में रोटी, पैसा,
चूड़ी, पहिया देखो! होता मेरे जैसा।।
'शंकू' बोला मैं जोकर की टोपी जैसा,
बर्थ-डे की टोपी, आइसक्रीम मैं हूँ।
शीर्ष नुकीला होता देखो! मेरा,
नीचे से तो गोल होता मैं हूँ।।
'बेलन' बोला सिलेंडर, सरिया,
नल का पाइप, क्रीम रोल मैं हूँ।
घर में रोशनी देती ट्यूबलाइट,
खाने में पूड़ी, रोटी बेलता मैं हूँ।।
घन' सुनता जा रहा था सबकी बातें,
बोला हर बच्चे को खिलाता तो मैं हूँ।
लूडो की गोटी से एक से छः नम्बर तक,
खेल खिलाता, हँसाता तो मैं हूँ।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
संवि० पूर्व मा० विद्यालय- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1196

दिनाँक- 16.12.2020 दिन- बुधवार

चींटी

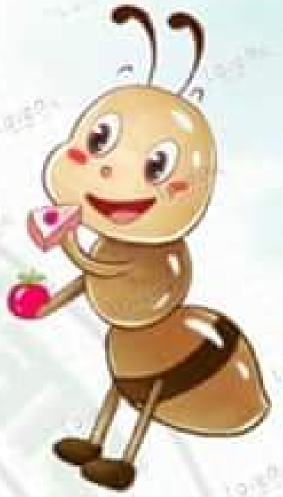

यूँ तो चींटी छोटी है,
कभी न भूखी सोती है।
करती नहीं कभी आराम,
दाना-दाना ढोती है।।

मेहनत करती रहती है,
हर क्षण चलती रहती है।
दाना-दाना लाती है,
मेहनत करके खाती है।।

मिलते लक्ष्य सदा श्रम को ही,
चींटी है ये शिक्षा देती।
जीवन है मेहनत से सजता,
चींटी सबसे है ये कहती।।

हम सब भी श्रम करना सीखें,
कठिन पथ पर चलना सीखें।
जीवन में खुश रहना सीखें,
काम को अपने करना सीखें।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
पू०मा० वि० स्योढ़ा,
बिसवाँ, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1197

दिनाँक- 16/12/2020

दिन-बुधवार

अनुराग

ऐसा कुछ पावन नहीं, जैसा है अनुराग।
जिस मन में यह बस गया, धुले द्वेष के दाग।।

हर मुश्किल आसान हो, जहाँ बसे अनुराग।
नाम रहे दुख का नहीं, छिड़े खुशी के राग।।

मीत बना ले शत्रु को, ऐसा है अनुराग।
काँटे चुनकर राह से, बनता मधुर पराग।।

बस धरा के कण-कण में, बिखरा है अनुराग।
जल-थल और नील गगन, या फूलों का बाग।।

पा लेना क्या प्रेम है, अर्पण है अनुराग।
जीवन औरों के लिए, नाम इसी का त्याग।।

त्याग, समर्पण व लगन, सभी प्यार के रूप।
माता का अनुराग तो, होता बड़ा अनूप।।

जीवन के हर मौसम का, हिस्सा है अनुराग।
सावन, बसंत, बहार हो, या आवे फिर फाग।।

रचना
फराह हारून "वफ़ा" (प्र०अ०)
प्रा० वि० मढ़िया भांसी
सालारपुर, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1198

दिनाँक- 16/12/2020 दिन- बुधवार

तुलसी

नाम है मेरा तीन अक्षर का,
काम है मेरा सुख देने का।
सबके घर में रहती हूँ,
क्या-क्या नहीं मै सहती हूँ।।

प्रसाद बनता है तुलसी से,
सेहत बनती है तुलसी से।
चाय बनती है तुलसी से,
काढ़ा भी बनता है तुलसी से।।

जब आता है बुखार जुकाम,
तुलसी आवे उसमें काम।
तुलसी का है छोटा नाम,
करती हैं ये बड़ा काम।।

तुलसी के बिना है पूजा अधूरी,
तुलसी होती बहुत जरुरी।
बीमारी में होती लाभकारी,
तुलसी होती सबसे प्यारी।।

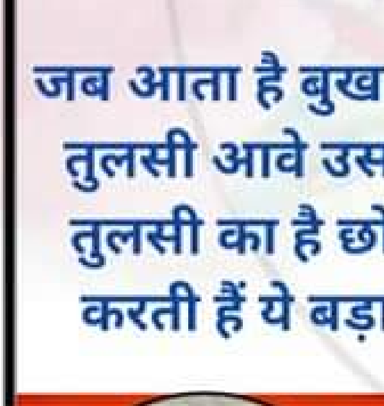

रचना

सौम्या कुमारी (छात्रा)
कक्षा- 5
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1199

दिनाँक- 16.12.2020

दिन- बुधवार

समय का पहिया

समय का पहिया चलता जाता,
कभी न रुकता कभी न थमता।
अच्छा बुरा सब कुछ दे जाता,
कभी न थकता कभी न सोता।।

अनदेखे भविष्य का स्वागत,
बीती यादें सँजोए हर पल।
वर्तमान में सरक-सरक कर,
सिखलाता कार्य करें निरन्तर।।

चौबीस घण्टे सातों दिनों में,
समय का पहिया बढ़ता जाता।
सेकण्ड, मिनट, घण्टों में बँटकर,
वर्ष 365 दिनों का बनाता।।

बात पते की यह सिखलाता,
हरदम चलो, कभी ना रुको।
काम समय पर करते-करते,
जीवन पथ पर आगे बढ़ो।।

रचना-
पूनम भट्ट (स०अ०)
रा० प्रा० वि० वीड
चम्बा, टिहरी गढ़वाल

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 16.12.2020

1200

दिन- बुधवार

बच्चों की मनोव्यथा

बच्चे कहते चलें स्कूल,
मिलकर मस्ती करेंगे खूब।
मैडम आएँ, सर भी आएँ,
जाकर स्कूल पढ़ेंगे खूब।।

बहुत हो गए बोर यहाँ,
जाएँ तो अब जाएँ कहाँ?
मम्मी-पापा, दादा-दादी सभी डाँटते,
पढ़ो, पढ़ो खूब पढ़ो यह कहते।।

समझ नहीं कुछ आता है,
लिखा हुआ नहीं भाता है।
बिन समझाए कैसे समझें,
पढ़ो-पढ़ो सब कहते जाएँ।।

बालसभा ना म्यूजिक ना डांस,
योग करो हो गई गले की फाँस।
टीचर कहते व्यायाम करो भरपूर,
प्रतिरोधकता बढ़ाओ कोरोना भगाओ दूर।।

रचनाः-
नन्दी चिलवाल (प्र०अ०)
रा०प्रा०वि०बनाना
ब्लॉक - भीमताल, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

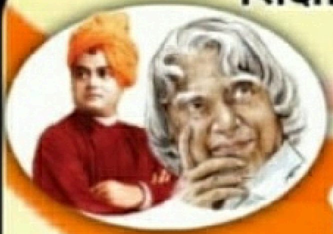

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-

दिन-

साभारः

राज कुमार शर्मा

नवीन पोरवाल

नैमिष शर्मा

जितेन्द्र कुमार

हेमलता गुप्ता

टीम काव्यांजलि सृजन

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429